पटना ●मंगलवार, 01 अक्टूबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः261 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

हिंदी भारतीय ज्ञान परंपरा की ... 3 www. bordernewsmirror.com मां बनने के खूबसूरत... 8

नकली नोट देकर खरीदा असली सोना...

● 1.30 करोड़ के नोटों पर गांधी बापू की जगह अनुपम खेर की तस्वीर

● शिकायत के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने शुरू की जांच

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में एक नकली नोटों से जुड़े मामले में एक हैरान कर देने वाला वाकया सामने आया है। सोना खरीद की एक डील में 1.60 करोड़ रुपये की डील हुई थी। सोना लेने के लिए दिए गए 500 रुपये के नकली नोटों पर गांधी बापू की तस्वीर की जगह अनुपम खेर की तस्वीर छपी हुई थी। बैंक में जिस तरह से करंसी की गड्डियां बनाई जाती हैं। उसी प्रकार इन्हें व्यवस्थित तरीके से अरेंज किया गया था। इन गड्डियों की सील पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बजाए स्टार्ट बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ था। माणेक चौक के व्यापारी ने इस पूरे

मामले को लेकर पुलिस में मामला दर्ज कराया है। नकली नोटों से जुड़े इस मामले पर अहमदाबाद पुलिस ने संज्ञान लिया है। पुलिस को संदेह है कि ठगी करने वाला गिरोह राजस्थान का हो सकता है। इन नकली नोटों पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जगह पर रिसोल बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ है।

अनुपम खेर भी आश्चर्यचकित- गुजरात के अहमदाबाद नकली नोटों से असली सोना खरीदने की डील इस हैरानी भरी डील के खुलासे पर अनुपम खेर ने हैरानी व्यक्ति की है। अनुपम खेर ने एक गुजराती चैनल के वीडियो को साझा करते हुए लिखा है। गांधी जी की जगह पर मेरी तस्वीर, कुछ भी हो सकता है। इसके साथ अनुपम खेर ने हैरानी भरे इमोजी लगाए हैं। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

2100 ग्राम सोने की डील

पुलिस से मिली जानकारी में सामने आया है कि कुल जालसाजों ने बड़े फर्जीवाड़े को अंजाम देते हुए नकली नोटों से असली सोना खरीद लिया। सर्राफा कारोबारी को धोखा देकर जालसाज भाग निकले। यह पूरी धोखाधड़ी 1.60 करोड़ रुपये की है। सोने के बिस्किट के बदले व्यापारी को चिल्ड्रेन बैंक के नोट मिले। जानकारी में सामने आया है कि माणेक चौक स्थित दोनों व्यापारियों के बीच 2100 ग्राम सोने की डिलीवरी होनी थी। इसके सीजी रोड स्थित आंगड़िया फर्म में सोना पहुंचाकर नकदी लेने की बात तय हुई। आंगडिया फर्म के पास 3 आरोपी नोट गिनने की मशीन और नोट लेकर खड़े थे। आरोपी ने व्यापारी के कर्मचारियों को सोने की डिलीवरी के समय 1.30 करोड़ के चिल्ड्रेन बैंक नोट दिए थे। आरोपी यह कहकर भाग गया कि बाकी 30 लाख रुपये बगल के ऑफिस से गिनकर ले आओ। घटना की जानकारी जब व्यवसायी को हुई तो नवरंगपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

जयपुर का अल्बर्ट हॉल दो दिन रहेगा बंद

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाला अल्बर्ट हॉल का इन दिनों खस्ताहाल है। 142 साल पुरानी यह ऐतिहासिक इमारत दुनियाभर में विख्यात है। लाखों की संख्या में आने वाले देशी विदेशी सैलानी इस भव्य इमारत के सामने फोटो क्लिक करके

जयपुर की यादें संजोते हैं। यह अल्बर्ट हॉल जयपुर की पहचान है। रामनिवास बाग में स्थित इस भव्य इमारत में राजस्थान का सबसे पुराना म्यूजियम है जहां सैंकड़ों साल पुरानी मूर्तियां और कलाकृतियां सुरक्षित हैं। यहां 2400 साल पुरानी मिश्र की ममी भी है जिसे देखने के लिए दुनियाभर के सैलानी आते हैं। यह भव्य इमारत सोमवार 30 सितंबर और मंगलवार 1 अक्टूबर को पर्यटकों के लिए बंद रहेगी।

प्रसाद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र सरकार से पूछे तीखे सवाल; कहा-

भगवान को तो सियासत से दूर रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी वाले घी के इस्तेमाल पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- 'जब प्रसाद में पशु चर्बी होने की जांच सीएम चंद्रबाबू नायडू ने एसआईटी को दी, तब उन्हें मीडिया में जाने की क्या जरूरत थी। कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखें।'

बेंच ने कहा- जुलाई में लैब रिपोर्ट आई। वह स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री एसआईटी जांच के आदेश देते हैं और फिर सितंबर में मीडिया के सामने बयान देते हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति ऐसा कैसे कर सकता है। कोर्ट ने तिरुपति मंदिर की ओर से पेश हुए वकील सिद्धार्थ लूथरा से पूछा- इस बात के क्या सबूत हैं कि लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा कि हम जांच कर रहे हैं। इसके बाद जस्टिस गवई ने पूछा, फिर तुरंत प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? आपको धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। बेंच ने करीब 1 घंटे की सुनवाई के बाद कहा कि मामले की जांच एसआईटी से ही कराएं या फिर किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी से, इसके लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से हम सुझाव चाहते हैं। सभी याचिकाओं पर एक साथ 3 अक्टूबर को दोपहर 3:30 बजे सुनवाई करेंगे। सोमवार को कोर्ट में डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी, वाई.वी. सुब्बा रेड्डी, विक्रम संपत और दुष्यंत श्रीधर के अलावा सुरेश चव्हाण की 4 याचिकाएं थीं।

बिहार में बाढ़ से बिगड़े हालात

● बिहार के दरभंगा में कोसी पर बना बांध टूटा, 12 जिलों में बाढ़

मुजफ्फरपुर के बाकूची पावर प्लांट में घुसा बाढ़ का पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में हुई भारी बारिश की वजह से बिहार के 12 जिलों में बाढ़ का खतरा है। दरभंगा में सोमवार देर रात कोसी नदी का बांध टूट गया। इससे एक लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सीतामढ़ी, शिवहर और बगहा जिले में भी बागमती नदी के 6 तटबंध टूटे हैं। मोदी सरकार अलर्ट पर है। 11 एनडीआरएफ की टीमें तैनात कर दी गई है।

प्रशासन ने पश्चिम चंपारण जिले में 8 प्रखंडों के 58 स्कूलों

को 2 अक्टूबर तक बंद कर दिया है। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर सुपौल और पश्चिमी चंपारण के इलाके में पड़ा है। अररिया में भी बारिश और बाढ़ के कारण रेलवे ट्रैक पर पानी आ गया। अगले 24 घंटे में बाढ़ का दायरा बढ़ेगा।

उधर, राजस्थान में झालावाड़, बारां, राजसमंद, सिरोही, उदयपुर के कई हिस्सों में बारिश हुई। प्रदेश में तापमान भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। आईएमडी के मुताबिक, यहां से मानसून की वापसी हो गई है। मध्य प्रदेश में इस साल मानसून कोटे से 18 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है।

नेपाल में बाढ़-भूस्खलन- 170 लोगों की मौत, 300 से अधिक घर डूबे, 16 पुल टूटे

नेपाल में भारी बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते अब तक 170 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां गुरुवार से लगातार पानी गिर रहा है। इअकेले काठमांडू घाटी में 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की वजह से 55 से ज्यादा लोग लापता हैं और 100 से अधिक घायल हुए है। साथ ही कम से कम 322 घर और 16 पुल अब तक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर की 40 सीटों पर आज वोटिंग

● आतंकी अफजल गुरू और इंजीनियर राशिद के भाई चुनावी मैदान में

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण में आज मंगलवार (1 अक्टूबर) को 7 जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 39.18 लाख वोटर्स शामिल होंगे। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, आखिरी फेज 415 कैंडिडेट्स मैदान में हैं।

दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा

● नक्सली थे, वापसी कर 350 से ज्यादा फिल्में कीं, 3 नेशनल अवॉर्ड जीते, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार (30 सितंबर) को यह घोषणा की। मिथुन दा को 8 अक्टूबर को 70वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा। मिथुन करीब 5 दशक के करियर में बांग्ला, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ओडिया और भोजपुरी की 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं।

उन्होंने अपना फिल्मी करियर 1976 में मृगया से शुरू किया था और इस पहली ही फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता था। 1982 में आई डिस्को डांसर से उन्हें पहचान मिली। मिथुन को 3 बार नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। उन्हें जनवरी 2024 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था। सच कहूं तो इतना प्रतिष्ठित पुरस्कार पाकर मैं निःशब्द हूं। न मैं रो पा रहा हूं न मैं मुस्कुरा पा रहा हूं।

महाराष्ट्र में गाय को मिला 'राज्यमाता' का दर्जा

चुनाव से पहले शिंदे सरकार का बड़ा फैसला; सब्सिडी योजना का भी ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार ने देशी गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया है। ऐसा करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है। सोमवार (30 सितंबर) को कैबिनेट बैठक में सरकार ने ये फैसला लिया। महायुति सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

शिंदे ने कहा कि स्वदेशी गायें हमारे किसानों के लिए वरदान हैं। इसलिए हमने इन्हें 'राज्य माता' का दर्जा देने का फैसला लिया है। इसके साथ ही हम गोशालाओं में स्वदेशी गायों के पालन-पोषण के 50 रुपए प्रतिदिन की सब्सिडी योजना लागू करने जा रहे हैं। गौशालाएं अपनी कम आय के चलते यह खर्च नहीं उठा सकती थीं, इसलिए यह फैसला लिया गया है। गायों की सब्सिडी योजना को महाराष्ट्र गोसेवा आयोग ऑनलाइन लागू करेगा। हर जिले में एक जिला गौशाला सत्यापन समिति बनाई जाएगी।

सरकार ने कहा- भारतीय संस्कृति में देशी गाय के महत्व को देखते हुए फैसला लिया

नोटिफिकेशन में सरकार ने कहा कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय के महत्व, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता, आयुर्वेद चिकित्सा, पंचगव्य उपचार पद्धति और जैविक कृषि प्रणालियों में देशी गाय के गोबर और गोमूत्र के अहम स्थान को देखते हुए देशी गाय को राज्यमाता गोमाता घोषित करने की मंजूरी दी गई है।

महाराष्ट्र में 26 नवंबर के पहले होंगे विधानसभा चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार (28 सितंबर) को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तारीखों का ऐलान अगले महीने होने की उम्मीद है।

राजस्थान में एसएससी एग्जाम में बड़ा गड़बड़झाला

94 कैंडिडेट्स का बॉयोमैट्रिक डाटा और फोटो एक ही

उदयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के प्रतापनगर में एसएससी परीक्षा घोटाले का खुलासा हुआ है। 94 अभ्यर्थियों का बॉयोमैट्रिक डाटा समान पाया गया। 9 पर्यवेक्षकों की मिलीभगत की पुष्टि हुई और उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ। सभी संदिग्धों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया और 7 साल के लिए परीक्षा में भाग लेने से रोका गया।

उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में केन्द्रीय कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की दो वर्षों में हुई भर्ती परीक्षाओं में दो अभ्यर्थियों का बॉयोमैट्रिक डाटा और फोटो एक समान होने का मामला सामने आया है। ऐसे 94 कैंडिडेट्स को चिन्हित किया गया है, जिनके डाटा में यह गलती हुई है। इस मामले में परीक्षा केन्द्र पर इस दौरान मौजूद 9 पर्यवेक्षकों की मिलीभगत होने की जानकारी मिली है। खुलासे के बाद इनके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला- मिली जानकारी के अनुसार कर्मचारी चयन आयोग उत्तरी क्षेत्र भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक मनीष मुखर्जी के निर्देश पर मामला दर्ज हुआ है। सहायक निदेशक उत्तरी क्षेत्र प्रदीप कुमार और एएसओ विकास कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि कर्मचारी चयन आयोग नई दिल्ली केंद्र सरकार के तहत ग्रुप बी और सी पद की भर्ती के लिए विभिन्न परीक्षाएं आयोजित करता है।

सपा नेता के बयान पर बवाल

'मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, अब इनका राज समाप्त हो जाएगा'

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के समाजवादी पार्टी के एक विधायक के बयान पर बवाल मचा है। विधायक ने कहा कि मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ रही है और यही कारण है कि अब जल्दी ही भाजपा का राज समाप्त हो जाएगा। दरअसल, अमरोहा से विधायक और पूर्व राज्य

मंत्री महबूब अली ने बिजनौर में एक जनसभा में ये बयान दिया। वीडियो में सपा विधायक ने कहा, अब आपका शासन समाप्त हो जाएगा। मुसलमानों की आबादी बढ़ रही है। हम जल्दी ही सत्ता में आएंगे। मुगलों ने 850 साल तक शासन किया। जो लोग देश को जला रहे हैं, उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि लोग जाग गए हैं। लोगों ने लोकसभा चुनाव में जवाब दिया और आने वाले दिनों में 2027 में आप निश्चित रूप से सत्ता से चले जाएंगे और हम आएंगे। अमरोहा से सपा विधायक महबूब अली ने बिजनौर में हो रही 'संविधान सम्मान' सभा में बेहद भड़काऊ और आपत्तिजनक बयान दिया है।

शाह बोले-खड़गे ने अपने नेताओं से ज्यादा घटिया बात कही

कांग्रेस अध्यक्ष ने जम्मू में कहा था मोदी को पीएम पद से हटाए बिना मरने वाला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मोदी पर दिए बयान पर निशाना साधा। शाह ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष अपने पार्टी नेताओं से ज्यादा शर्मनाक

बयान देते हैं। हमारी प्रार्थना है कि वे अनेक वर्षों तक जीवित रहें और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होते देखें।दरअसल, कठुआ में एक रैली के दौरान 83 साल के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत बिगड़ गई थी। बाद में लौटकर उन्होंने कहा था कि जब तक वे मोदी को हटाएंगे नहीं, जिंदा रहेंगे।

राहुल गांधी की 'विजय संकल्प यात्रा' बोले-

हरियाणा को नहीं चाहिए अडाणी सरकार

नारायणगढ़ (एजेंसी)। राहुल गांधी की हरियाणा में दो दिन हरियाणा 'विजय संकल्प यात्रा' निकाल रहे हैं। सोमवार, 30 सितंबर को पहले दिन यह यात्रा नारायणगढ़ से शुरू हुई है और शाम 6 बजे थानेसर पहुंचेगी।

राहुल ने नारायणगढ़ की जनसभा में कहा, हरियाणा में मुकाबला भाजपा-कांग्रेस का है। बाकी छोटी-छोटी पार्टियां सब भाजपा की हैं। अग्निवीर स्कीम जवानों की पेंशन चोरी का तरीका है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में अडाणी की सरकार नहीं चाहिए। किसानों, मजदूरों की सरकार बनेगी। जब भी मेरी जरूरत है, भाषण देना हो। आपको सिर्फ ऑर्डर देना है, मैं हाजिर हो जाऊंगा। इस यात्रा में राहुल के साथ बहन प्रियंका गांधी भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 10 साल पुराने आरोप लगा रहे हैं।

भीमगया वेदी पर महाबली भीम ने पिता पांडु के लिए किया था पिंडदान, आज भी लगती कतार

गया,एजेंसी। पितृपक्ष में पूर्वजों के लिए त्रिपाक्षिक गयाश्राद्ध कर रहे पिंडदानी तिथि की वेदी पर जाकर-जाकर पिंडदान कर रहे हैं। इसी क्रम में पितृपक्ष के 13वें दिन रविवार को तीर्थयात्रियों ने वहां पहुंचे जहां महाबली भीम ने पिंडदान किया। भीम गया वेदी पर पिंडदान कर पितरों के मोक्ष की कामना की। मां मंगलागौरी के रास्ते में स्थित भीमगया वेदी पर पिंडदान के बाद घेरे के अंदर मौजूद भीम के घुटने के निशान के दर्शन-पूजन भी किए। कहा जाता है कि पांडु पुत्र भीम ने अपने पिता की मुक्ति के लिए इसी स्थान पर पिंडदान किया था।

पिंडदान के बाद परिसर में ही शिला पर बायां घुटने के निशान (गड्ढे) में पिंड अर्पित किए। पिंडदान करते समय बायां घुटन मोड़कर बैठे थे। इस कारण एक शिला पर घुटने जैसा निशान है। अब इस स्थान को भीम गया वेदी के नाम पर जाना जाता है। भीमगया में पिंडदान के बाद पिंडदानियों ने भस्मकूट पर्वत पर स्थित मंदिर के में मां मंगला के दर्शन-पूजन किए। गोप्रचार और गदालोल वेदियों पर पिंड अर्पित पूर्वजों के मोक्ष की भस्मकूट पहाड़ी पर स्थित भीमगया वेदी पर पिंडदान के बाद त्रिपाक्षिक गयाश्राद्ध करने वालों का जत्था मां मंगलागौरी मंदिर के बायीं ओर स्थित गोप्रचार वेदी पर पहुंचा। यहां भी पिंड अर्पित कर पूर्वजों के मोक्ष की कामना की। गो प्रचार वेदी पर गोखुर

के बने निशान पर सावधानी से तीर्थयात्रियों ने पिंड अर्पित किया। भीमगया और गोप्रचार वेदियों पर जगह कम रहने के कारण पिंडदानियों ने मां मंगलागौरी मंदिर की छत और परिसर में बैठकर पिंडदान किया। पाठ वाले मंडप व धर्मशाला सहित जहां जगह मिली तीर्थयात्री वहीं बैठकर पितरों को याद किया। भीमगया वेदी पर पिंडदान के बाद परिसर में ही शिला पर बायां घुटने के निशान (गड्ढे) में पिंड अर्पित किए। गो प्रचार वेदी पर गोखुर के बने निशान पर सावधानी से तीर्थयात्रियों ने पिंड अर्पित किया। मां मंगलागौरी में लगी रही कतार

मां मंगलागौरी मंदिर के आसपास पिंडवेदियों पर पिंडदान का विधान होने के कारण रविवार को पूरा इलाका पिंडदान निमित मंत्रोच्चार से गूंजता रहा। पिंडदान के बाद पिंडदानियों ने मां मंगलागौरी के दर्शन-पूजन किए। सुबह भीड़ के कारण कतार लगी। कतार में रहने के बाद पिंडदानियों ने मां मंगलागौरी की पूजा-अर्चना की। दोपहर तक पिंडदानियों की भीड़ बनी रही।

आज पिंडदानी मनाएंगे पितरों की दीपावली

पितृपक्ष के 14वें दिन (आश्विन कृष्णपक्ष त्रयोदशी) सोमवार को त्रिपाक्षिक पिंडदान कर रहे तीर्थयात्रियों की भीड़ फल्गु नदी में उमड़ेगी। शाम में तीर्थयात्री पितरों के लिए दीपावली मनाएंगे। श्री विष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल और सचिव व गयापाल गजाधर लाल पाठक ने कहा कि त्रिपाक्षिक गयाश्राद्ध करे पिंडदानी अपने पूर्वजों की याद में सोमवार की शाम फल्गु घाटों पर दीप जलाएंगे। इस तिथि को दिवगंत हुए पितरों के लिए पिंडदान करने का विशेष महत्व है। जिनके पितर इस तिथि को दिवगंत नहीं हुए वे केवल तर्पण, देवदर्शन और दीप दान करेंगे।

ओडिसा के जगन्नाथ मंदिर के तर्ज पर बनाया जा रहा है पंडाल

दरभंगा,एजेंसी। नवचेतना सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, भगत सिंह चौक दरभंगा टावर से सटा हुआ है। यहां वर्ष 2004 से लगातार मां दुर्गा की पूजा धूमधाम से होती चली आ रही है। यह पूजा समिति पंडाल एवं बिजली के उत्कृष्ट डेकोरेशन को लेकर हमेशा भक्तों के आकर्षण का केंद्र रही है। इस वर्ष यहां प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के तर्ज पर पंडाल का निर्माण किया जा रहा है।

इस पंडाल के भीतर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा विराजमान होगी। मन्दिर के भीतर स्वर्गलोक का नजारा भक्तों को देखने को मिलेगा। पूजा समिति के अध्यक्ष सुनील राय ने बताया कि सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी की संध्या बेला में मां की विशेष आरती काशी के पुरोहितों द्वारा गंगा आरती के तर्ज पर करवाई जाती है, जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र होती है। यह आरती पिछले आठ वर्षों से पूजा समिति में होती चली आ रही है। विशाल जगन्नाथ मंदिर के तर्ज पर पंडाल का निर्माण स्थानीय कला निर्देशक भीम दास अपने जोरजा गांव की टीम के साथ कर रहे हैं। मंदिर के भीतर स्वर्गलोक बनाने का काम स्थानीय राहुल भगत कर रहे हैं। बिजली एवं साउंड का काम राम सागर कर रहे हैं।

मूर्तिकार आनंद पंडित भी दरभंगा से ही हैं। पूजा समिति के सचिव मनोज कांस्यकार ने कहा कि यहां सारे काम स्थानीय स्तर पर करवाए जाते हैं, इसके बाबजूद यह समिति हमेशा पुरस्कृत होती रही है। उन्होंने बताया कि हमारी समिति को उत्कृष्ट डेकोरेशन एवं शांतिपूर्ण व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने वर्ष 2014, 2015 व 2016 में पुरस्कृत किया था।

वर्ष 2017 में इसे प्रथम पुरस्कार मिला ता। जिला दुर्गा पूजा समन्वय समिति द्वारा हमारी समिति को लाइट एवं पंडाल डेकोरेशन को लेकर पुरस्कृत किया जाता रहा है। मेले के दौरान अत्यधिक भीड़ को देखते हुए सीसी कैमरा एवं ड्रोन कैमरा की व्यवस्था की गई है। यहां मुख्य पुजारी महेश पंडित दरभंगा से हैं। वे शुरू से ही पूजा करवाते आ रहे हैं। मां का मुख्य प्रसाद 56 भोग है।

संक्षिप्त समाचार

दुर्गा पूजा में डीजे बजाने पर रहेगा प्रतिबंध

पूर्णिया,एजेंसी। मुफ्फसिल थाना परिषर में रविवार को दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने की। बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य राजीव सिंह, मुखिया गुलाम हजरत, पूर्व उपप्रमुख मीना देवी उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिमा विसर्जन को लेकर रूट चार्ट पर विशेष रूप से चर्चा की गयी । वही दुर्गा पूजा के अवसर पर लगने वाले मेला में शरारती तत्वों पर विशेष निगाह रखने की बात कही गयी। मेले व पंडालों में सीसी टीवी कैमरा को अनिवार्य बताया गया। इनके अलावे असामाजिक तत्वों पर धारा 107 के तहत कार्यवाही करने की बात भी बैठक में रखी गयी। बैठक में सभी पूजा समिति के सदस्यों को लायसेन्स के लिए दो दिनों के अंदर आवेदन जमा करने के लिए कहा वहीं डीजे साउंड पूर्णतः पाबंदी लगाने की बात कही गई। पूजा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मेला व पूजा पंडालों में पुलिसकर्मी की तैनाती की जायेगी। बैठक में पूजा के दौरान शराबियों पर नकेल कसने की मांग जनप्रतिनिधियों ने की। बैठक में उपसरपंच मदन लाल मंडल, राहुल मोनू, बिक्रम चौधरी, गणेश कुमार सिंह, अरुण कुमार साह, बलबीर साह, कमल किशोर महलदार, नवीन कुमार पोद्दार, अमित कुमार, अशोक कुमार सुमन, रामानंद चौहान, दिलीप चौहान, योगेंद्र सरपंच आदि मौजूद थे।

बेनीपुर में कटाव स्थल पर चल रहा मरम्मत कार्य

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। बेनीपुर में बागमती के दक्षिणी तटबंध पर तेजी से कटाव हो रहा है। वहां सरकारी व निजी स्तर से मरम्मत का कार्य चल रहा है। जिला प्रशासन की टीम तटबंध पर नजर बनाए हुआ है। औराई सीमा से सटे रून्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के तिलक ताजपुर में बागमती का तटबंध टूट गया है। लोग बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

घर के पास खेल रही बच्ची को सांप ने डंसा, मौत

- परिजन बोले-जानकारी होने पर अस्पताल लेकर पहुंचे, इलाज के दौरान गई जान

गोपालगंज,एजेंसी। गोपालगंज के फुलवरिया थाना क्षेत्र के देवान परसा गांव में बच्चो साथ अपने घर के बाहर खेल रही एक सात वर्षीय बच्ची को जहरीले सर्प ने डंस लिया। जिसके बाद परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां बच्ची की मौत हो गई। मृतका की पहचान देवान परसा गांव निवासी जमशेद नट की सात वर्षीय बेटी आफरीन खातून के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि देवान परसा गांव निवासी जमशेद नट की बेटी आफरीन खातून(7) अपने घर के बाहर कुछ बच्चों के साथ खेल रही थी। तभी जहरीले सर्प नें बच्ची को डंस लिया जिसके बाद बच्ची ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। जब तक परिजन उसे इलाज के लिए मरछीया देवी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने बच्ची को सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में परिजन लेकर पहुंचे लेकिन इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। जिसके बाद परिजन शव का पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही अपने साथ लेकर घर के लिए रवाना हो गए।

क्षेत्रीय प्रतियोगिता परीक्षा में 500 छात्रों ने लिया भाग

मुंगेर,एजेंसी। जनता पुस्तकालय, लोहचा पाटम की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए 22 वां क्षेत्रीय प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। पुस्तकालय के सचिव नीतीश कुमार रंजन के नेतृत्व में स्थानीय चार स्कूलों परीक्षा आयोजित की गई। वर्ग तृतीय से वर्ग दशम तक के करीब 500 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पुस्तकालय के सचिव ने बताया कि परीक्षाफल प्रकाशन एवं पारितोषिक वितरण 12 अक्टूबर को दुर्गा स्थान पाटम में किया जाएगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रो. ललिता रानी, शिक्षक ओमप्रकाश चौरसिया, सहदेव मंडल, पंकज कुमार,अभय कुमार, प्रमोद कुमार आदि मौजूद थे।

पूर्व सांसद व सांसद प्रतिनिधि ने किया देवापुर बेलवा घाट का निरीक्षण

मोतिहारी,एजेंसी। पूर्व सांसद व वर्तमान सांसद पति आनंद मोहन ने रविवार को देवापुर बेलवा बांध का निरीक्षण किया गया। बांध रिसाव स्थलों का भी निरीक्षण किया तथा वहा उपस्थित लोगो का हाल जाना। वही जिला प्रशासन तथा सरकार से किसानो की बर्बाद फ़सल का अविलम्ब मुआवजा व पानी मे घिरे परिवार क़े लिए अविलम्ब प्लास्टिक व खाना की व्यवस्था करने की मांग की। ज्ञात हो कि नेपाल से निकलने वाली दो नदियों क़े संगम स्थल देवापुर मे बागमती नदी व लालबकेया नदी अपने विकराल रूप मे है तथा बांध में कई स्थानों पर रिसाव हो रहा था जिसकी सुचना पाकर पूर्व सांसद व वर्तमान सांसद पति आनंद मोहन, समाजसेवी सुभाष सिंह सहित अन्य कार्यकर्त्ता संग बांध का निरीक्षण किया तथा लोगों को कहा कि वे हर परिस्थिति मे शिवहर की जनता क़े साथ है।

श्रम अधीक्षक ने जनता दरबार में 3 मजदूरों को दिलाया बकाया मजदूरी

मुंगेर,एजेंसी। आईटीआई, मुंगेर कैंपस में स्थित संयुक्त श्रम भवन में शनिवार को मुंगेर के श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में श्रम विभाग में श्रम पक्ष के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस जनता दरबार में श्रम अधीक्षक के द्वारा मजदूरों का बकाया मजदूरी भुगतान संबंधी शिकायत पत्र की सुनवाई की गई। सुनवाई के बाद तीन शिकायत पत्रों का निपटारा किया गया। इसके तहत श्रम अधीक्षक ने 3 शिकायतकर्ता मजदूरों को उनका बकाया मजदूरी नियोजक से दिलाया। जबकि, शेष मामलों में श्रमिकों की समस्या के समाधान हेतु शिकायत पत्रों पर सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई। इस बीच अपनी शिकायत का समाधान करवाने जनता दरबार पहुंचे मजदूरों में इस दरबार को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

मौके पर श्रम अधीक्षक ने संवाददाता से बात करते हुए कहा कि, श्रम संसाधन विभाग हमेशा श्रमिकों के हित में तत्पर एवं सजग है। किसी भी जानकारी एवं शिकायत के लिए प्रत्येक शनिवार को श्रम संसाधन विभाग के श्रम पक्ष द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। यह जनता दरबार सरकारी आईटीआई, मुंगेर के कैंपस में स्थित संयुक्त श्रम भवन में सुबह 10:00 बजे से अपराह्न 5:00 तक आयोजित किया जाता है। मजदूर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं अथवा जनता दरबार में आ सकते हैं।

त्योहार के सीजन में यात्रियों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली-राजगीर के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

12 अक्टूबर से शुरू होगा परिचालन

नालंदा,एजेंसी। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया है। इसके अनुसार, नई दिल्ली से राजगीर के बीच एक विशेष द्वि-साप्ताहिक ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह सेवा 12 अक्टूबर से 30 नवंबर 2024 तक उपलब्ध रहेगी।

रात 9 बजे बजे राजगीर पहुंचेगी ट्रेन

ट्रेन संख्या 04070 (नई दिल्ली से राजगीर)- प्रत्येक शनिवार और मंगलवार की रात 12:20 बजे खुलेगी। राजगीर स्टेशन पर रात 9 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 04069 (राजगीर से नई दिल्ली)- प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को रात 10:50 बजे पहुंचेंगे। नई दिल्ली स्टेशन

पर अगली रात 11:10 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन मार्ग में कई महत्वपूर्ण स्टेशन पर रूकेगी, जिनमें गोविंदपुरी जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा जंक्शन, पटना जंक्शन, बख्तियारपुर जंक्शन और बिहार शरीफ जंक्शन शामिल हैं।

वातानुकूलित होगी ट्रेन

यात्रियों की आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, यह ट्रेन पूरी तरह से वातानुकूलित होगी। इसमें फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी और थर्ड एसी श्रेणी के कोच उपलब्ध होंगे।

टिकट बुकिंग के इच्छुक यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिदिन सुबह 8 बजे आरक्षण की स्थिति की जांच करें। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस विशेष ट्रेन से न केवल तीर्थ यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि व्यापारियों और आम यात्रियों को भी त्योहारी सीजन में अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

दरभंगा में कोसी नदी की उपधारा का बांध टूटा:एक लाख से अधिक की आबादी प्रभावित, 24 गांव में घुसा पानी

दरभंगा,एजेंसी। नेपाल में लगातार बारिश हो रही है। साथ ही नदी में पानी भी छोड़ा गया है। इस कारण बिहार में नदिया उफान पर है। रविवार देर रात दरभंगा के किरतपुर प्रखंड के भुभोल गांव के समीप कोसी नदी का पश्चिमी तटबंध करीब 10 मीटर की दूरी में टूट गया। इस कारण एक लाख की आबादी प्रभावित है। साथ ही 24 गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है।

डीएम राजीव रौशन ने बताया कि किरतपुर की आठ पंचायतों के लोगों को माइकिंग करा कर ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। करीब आठ किमी की दूरी में पानी बह रहा है। घनश्यामपुर, गौड़ाबौराम, कुशेश्वरस्थान और किरतपुर प्रखंड इससे प्रभावित होंगे।

लोगों से अलर्ट रहने की अपील

जानकारी के अनुसार किरतपुर प्रखंड के सहरसा सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित कोसी नदी की उपधारा का बांध भूबोल के सामने टूट गया है। अधिकारी राजीव रोशन मौके पर अपनी टीम के साथ कैंप कर रहे हैं। कई अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में

लगे हैं। लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है। लोगों के बीच अपने आप को बचाने के लिए अफरा-तफरी का माहौल है।

बांध देर रात 12 बजाकर 45 मिनट में टूटा है। लगभग एक लाख की आबादी प्रभावित है। बांध टूटने से रसियारी, किरतपुर, बगरस, दोहथा, जमालपुर, झगरुवा, कुबोल, ढागा, तरवारा, तेतरी, अमृतनगर, पखारिया, सिरसिया, रही टोल खतवारा, वर्दीपुर सिरनिया, लक्ष्मीपुर, भंडरिया, कदवारा, कटरिया, राम खेतरिया सहित कई गांव मुख्य रूप से प्रभावित है।

आंतरिक गुणों को पहचान चुनौतियों से निपटेंगी केजीबीवी की छात्राएं

भागलपुर,एजेंसी। बिहार शिक्षा परियोजना भागलपुर और वर्ल्ड बीइंग इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जिला शिक्षा विभाग के सभागार में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की वार्डन व लेखापाल को प्रशिक्षण दिया गया।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण का विषय भावनात्मक समुत्थान और युवा स्वास्थ्य रखा गया था। इस दौरान केजीबीवी में पढ़ रही छात्राओं के कौशल विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (एसएसए) डॉ. जमाल मुस्तफा ने कहा कि यह कार्यक्रम वर्तमान परिप्रेक्ष्य में काफी प्रासांगिक है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बच्चियां अपने आंतरिक गुणों को भी पहचानें इसके लिए हमें प्रयास करना होगा। छात्राओं को अपनी भावनाओं का प्रबंधन करना तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के कौशल को भी बताना होगा, तभी उनका चहुंमुखी विकास हो पाएगा।

2025 से आईजीआईएमएस में हर विभाग की होगी अपनी इमरजेंसी

- कैंपस में बन रहे दो अस्पताल, चालू होने पर हो जाएंगे 3 हजार 233 बेड

पटना,एजेंसी। आईजीआईएमएस में अगले साल से हर विभाग की अपनी इमरजेंसी होगी। यह संभव होगा कैंपस में निर्माणाधीन 1200 बेड के अस्पताल के चालू होने पर। इसके बाद बेडों की क्षमता भी दोगुनी हो जाएगी। अभी यहां 1533 बेड हैं। मेडिकल कॉलेज के लिए कैंपस में बन रहा 500 बेड का अस्पताल इसी साल दिसंबर में चालू हो जाएगा। तब बेड बढ़कर 2033 हो जाएंगे। इसके बाद अगले साल 1200 बेड वाले अस्पताल के चालू होने के बाद बेडों की कुल संख्या 3233 हो जाएगी। अभी आईजीआईएमएस की इमरजेंसी में महज 70 बेड हैं। इसके कारण रोज 10 से अधिक मरीज लौटते हैं। जब 120 बेड की इमरजेंसी हो जाएगी, तो मरीजों को लौटाने की नौबत नहीं आएगी।

वार्ड ब्लॉक में रहेंगे सुपर स्पेशियलिटी विभाग

दूसरी ओर वार्ड ब्लॉक सुपर स्पेशियलिटी विभाग में तब्दील हो जाएगा। वार्ड ब्लॉक के हर फ्लोर पर 66 बेड की व्यवस्था है। यहां भी हर विभाग एक फ्लोर पर होगा।पुरानी इमरजेंसी सुपर स्पेशियलिटी विभागों के लिए रहेगी।

सुपर स्पेशियलिटी विभागों में कार्डियोलॉजी, कार्डियक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी और मेडिसिन, गैस्ट्रो मेडिसिन और सर्जरी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, क्रिटिकल केयर मेडिसिन, रिप्रोडक्टिव मेडिसिन, किडनी और लिवर ट्रांसप्लांट आदि शामिल हैं।

पर्यावरण मंत्री ने बागेश्वर बाबा को पहनाई मखाने की माला

गया,एजेंसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का रविवार को बोधगया में दूसरा दिन था। यहां उन्होंने अपने भक्तों के पूर्वजों का पिंडदान करवाया साथ ही भागवत कथा सुनाई। इसी बीच उनसे मिलने प्रदेश के वन मंत्री डॉ.प्रेम कुमार पहुंचे। उन्होंने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को मखाना की माला पहनाई। इसको लेकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि बुरा मत मानना। हमारे यहां बुंदेलखंड में तो मरने पर मखाना की माला पहनाई जाती है। मरने वालों के ऊपर फेंका जाता है। तुमने तो जीते जी हमें पहना दी। हमने सोचा अब तो हो गया गुरु मेरा काम...चलो कोई बात नहीं।

गया में 53 लाख कैश के साथ झारखंड का युवक गिरफ्तार

कहां से लाया इतने रुपए? खंगाल रही पुलिस

गया,एजेंसी। बिहार के गया जंक्शन और स्टेशन रोड स्थित एक होटल से भारी मात्रा में कैश के साथ झारखंड के युवक को गिरफ्तार किया गया है। रेल पुलिस ने रविवार को छापेमारी कर यह कार्रवा की। गिरफ्तार युवक की पहचान जमशेदपुर के सुमित कुमार अग्रवाल के रूप में की गयी है।

उसके पास से करीब 52 लाख 84 हजार रुपये बरामद किया है। पुलिस ने युवक सुमित अग्रवाल से पूछताछ कर रही है। रेल सूत्रों ने बताया कि गया जंक्शन पर पितृपक्ष मेले में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है।

ड्यूटी के दौरान आरपीएफ की टीम ने रविवार को एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। छानबीन में उसके पास से 24 लाख रुपये बरामद किए गए। उसकी निशानदेही पर गया जंक्शन के पास स्टेशन रोड स्थित एक होटल में छापेमारी की गई। वहां से 28 लाख 84 हजार 300 रुपये बरामद किए गए। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इतने सारे नगद के साथ गिरफ्तार किए गए युवक ने अपना नाम सुमित कुमार अग्रवाल (गांव-महोलिया, थाना गालूडीह, जिला-जमशेदपुर, झारखंड बताया। युवक ने बताया कि वह संजय भालोटीया जमशेदपुर जुगसलाई नया बाजार (झारखंड) के यहां 15 हजार 600 के महीने पर पिछले छह वर्ष से प्राइवेट नौकरी कर रहा है।

मालिक की छड़ की कंपनी है। मालिक के बताए अनुसार बिहार के गया, रोहतास और औरंगाबाद जिले में सप्लाई किए गए टीएमटी छड़ के रुपये वसूलने के लिए भेजा गया था। पुलिस उसके जवाब से संतुष्ट नहीं है। युवक से और भी पूछताछ की जा रही है।

इस बरामदगी और गिरफ्तारी के मामले में आरपीएफ के अधिकारी ने कहा कि इस मामले में आयकर विभाग पटना के निदेशक से संपर्क स्थापित किया गया। आयकर विभाग के पदाधिकारी आ रहे हैं। उनके स्तर भी कैश की जांच की जाएगी। पुलिस को गिरफ्तार युवक पर संदेह है। उसके कनेक्शन और नेटवर्क को पुलिस की ओर से खंगाला जा रहा है।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809
9801344665

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने किया विंडो ट्रेनिंग निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने रक्सौल जंक्शन का विंडो ट्रेनिंग निरीक्षण किया। नरकटियागंज से सीतामढ़ी होकर समस्तीपुर जाने के क्रम में विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए जीएम की स्पेशल इंस्पेक्शन गाड़ी सोमवार की शाम रक्सौल जंक्शन पर पहुंची। जीएम के आगमन को लेकर रक्सौल स्टेशन पर सुबह से ही साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था किया गया। जीएम के आगमन को लेकर रेलवे स्टेशन के सभी प्रभाग के वरीय अधिकारी स्टेशन पर मुस्तैद रहे। नरकटियागंज से रक्सौल पहुंचने के बाद जीएम श्री सिंह स्पेशल निरीक्षण ट्रेन से बाहर नहीं उतरे। रक्सौल जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर करीब दो मिनट रूकने के बाद जीएम स्पेशल इंस्पेक्शन ट्रेन सीतामढ़ी के तरफ प्रस्थान कर गयी। इसी दौरान स्वच्छ रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह के द्वारा रक्सौल स्टेशन की अलग-अलग समस्याओं को लेकर एक लिखित ज्ञापन जीएम को सौंपा गया। जिसमें मुख्य रूप से प्लेटफॉर्म पर होने वाली जलजमाव से निजात, रेलवे की खाली जमीन को फुटपाथ विक्रेताओं को आवंटन के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में यात्रियों के लिए शौचालय की व्यवस्था, लावारिस शव को रखने के लिए शीत शव गृह की स्थापना सहित यात्री सुविधा को लेकर कई बिन्दुओं का जिक्र ज्ञापन में शामिल था।

गंडक नदी के बाढ में बहकर आया मृग शावक

बीएनएम। मोतिहारी। गंडक नदी जलस्तर वृद्धि के बाद आयी बाढ़ के पानी में संग्रामपुर विन्दटोली के समीप बह कर मृग का शावक आ गया। जिसे अरेराज एसडीएम अरुण कुमार व डीएसपी रंजन कुमार ने अपने देख रेख में ले लिया। डीएसपी ने बताया कि शावक का मेडिकल जांच के उपरांत वन विभाग को सौप दिया गया।

बीस लीटर चुलाई शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगह पर छापेमारी कर स्थानीय पुलिस ने चार कारोबारी को रविवार की रात्रि में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कारोबारी में अशोक चौधरी पिता जमुना चौधरी, इंदु देवी पति मुंद्रिका सहनी ग्राम बैरियाडीह वार्ड नंबर साथ निवासी बताये जाते है। वहीं पुलिस ने सोनबरसा पंचायत से सुनील ठाकुर पिता गेना लाल ठाकुर, हरिलाल सहनी पिता हीरा सहनी, वार्ड नंबर 10 को भी गिरफ्तार किया। स्थानीय पुलिस ने इस छापेमारी में सभी जगहों से करीब बीस लीटर चुलाई शराब बरामद किया है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई किया गया। उन्होंने बताया कि शराब कारोबारी की अब खैर नहीं होगी। प्रत्येक दिन शराब को लेकर अभियान चलेगा। गिरफ्तार शराब कारोबारी से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में सोमवार को मोतिहारी भेज दिया गया। छापेमारी में पीएसआई मनीष राज, पीएसआई विभा भारती, पीएसआई संतोषी कुमारी, एएसआई उमेश पासवान, चोकीदार रामबाबू यादव, तफशिर आलम, राजेश्वर गिरी, मनु यादव, सुभाष पासवान संदेश कुमार, के साथ पुलिस बल शामिल थे।

नाबालिक लड़की से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को पुलिस ने 12 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

बीएनएम। नरकटियागंज। पश्चिमी चम्पारण के नरकटियागंज स्थित शिकारपुर थाना को सुचना प्राप्त हुआ की थाना क्षेत्र के एक नाबालिक लड़की के दुष्कर्म की घटना हुई है। पुलिस अधीक्षक सौर्य सुमन द्वारा कांड के त्वरित उद्भेदन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी - नरकटियागंज के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान एवं मानवीय इनपुट के आधार पर उक्त कांड प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। घटनास्थल पर एफएसएल टीम के द्वारा साक्ष्य संकलन किया जा रहा है। कांड में अन्य अपेक्षित कार्रवाई की जा रही है।

हिंदी भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहिका हैः प्रो. संजय श्रीवास्तव

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग और भारतीय ज्ञान परंपरा समिति द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2024 सह अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह बुद्ध परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में सोमवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मुख्य संरक्षक प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का एक सुदृढ आधार दर्शन रहा है। पिछले पांच हजार वर्षों से निरंतर यह ज्ञान परंपरा पूरे विश्व को लाभान्वित कर रही है। श्रुति परंपरा एवं ऋषि परंपरा से यह निरंतर आगे बढ़ती रही। यह कई प्रकार के समस्याओं का समाधान करती है, कई विकारों से आपको दूर रखती है। ये सनातनता के सुदृढ़ता का आधार है। यही कारण है कि सनातन को अन्य प्रकार से विकसित नहीं किया जा सकता है। यह एक स्वतंत्र प्रक्रिया है। एक वैज्ञानिक एवं एक दार्शनिक आधार पर हमें इसे कालजयी मानते है। हिंदी भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहिका है। हिंदी एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी में संचरण करती रहती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर से पधारे हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि विचार- विमर्श भारतीय ज्ञान परंपरा की थाती है। भारत भूगोल नहीं भावना है, यहां ज्ञान व्यवहारिक है, परंपरा प्रवाह है, हिंदी भाषा नहीं बोलियां का गुच्छा है। भारतीय ज्ञान परंपरा की एक ग्राह्यता है जो भाषा में अधिक मिलती है। हमारा यह दायित्व है कि हम उसे विभिन्न शब्दों से समृद्ध करें। भारतीय ज्ञान परंपरा में सभी प्रकार की सभ्यता एवं संस्कृति आकर एकाकार हो जाती है। हिंदी भाषा व्यावहारिकता को ग्रहण करती है। कार्यक्रम में संरक्षक के तौर पर मानविकी व भाषा संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की गंगोत्री है। सौ वर्षों तक निरोगी काया के साथ जीवित रहना ही भारतीय ज्ञान परंपरा है। हम अपने ज्ञान परंपरा को अक्षुण नहीं रख पाये, यह हमारी असफल रही है। हम सभी भाषाओं का सम्मान करके हिंदी को और अधिक समृद्ध कर सकते है,क्योंकि हिंदी का विकास हम तभी कर पाएंगे जब हम दूसरे भाषा के साथ समन्वय कर सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर दरभंगा से पधारे ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रभाकर पाठक ने कहा कि हमारे ज्ञान परंपरा में वर्तमान का विशेष महत्व है। ज्ञान परंपरा में शरीर का विशेष स्थान है। इसको सुदृढ रखने के लिए हमारे शास्त्रों में विशेष ज्ञान की बातें कही गई है क्योंकि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है जो विभिन्न प्रकार के ज्ञान का भंडार होता है। हमारे ज्ञान परंपरा में शरीर के सुरक्षा की भी बातें की गई है। जीवन-मृत्यु की साधना हमारे ज्ञान परंपरा में सन्निहित है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आभासी माध्यम से बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज दक्षिण कोरिया से विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में जुड़ी डॉ. यन् तू सोन उर्फ सूर्या ने कहा कि भारतीय शिक्षण प्रणाली में हिंदी के लिए मानक पाठ्यक्रम नहीं था, जबकि इसके लिए एक मानक पाठ्यक्रम की आवश्यकता है। विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक प्रणालियों के आ जाने से हिंदी में पठन-पाठन सरल हो गया है। हम किसी देश की सांस्कृतिक विरासत को अंग्रेजी भाषा में नहीं देख सकते, इसलिए यह कहना कि केवल अंग्रेजी से भारत में काम चल जाएगा, यह सत्य नहीं है। हिंदी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और हिंदी शैक्षणिक वातावरण के लिए एक मानक पाठ्यक्रम पर अवश्य बल दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक, हिंदी विभागाध्यक्ष एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व में भारत के ज्ञान परंपरा का सबसे अधिक योगदान है। भारतीय ज्ञान परंपरा का हम उपयोग विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में करें तो यह देश की प्रगति के लिए लाभदायक होगा। अंग्रेजी शासन एवं विज्ञान की केंद्रीयता ने हमारे ज्ञान की परंपरा को बाधित किया। देशी भाषा के स्रोत की अपेक्षा की गई। विभिन्न प्रकार के कारणों से हमारे ज्ञान की परंपरा को नीचा दिखाने की कोशिश की गई। अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अवरूद्ध किया। हिंदी भाषा के विकास को भी अवरूद्ध किया गया। यही कारण है की नई शिक्षा नीति ने भारतीय भाषाओं पर ध्यान दिया है। हिंदी के माध्यम से हम भारतीय ज्ञान परंपरा को संचित कर सकते है इसलिए हिंदी आज अधिक महत्वपूर्ण है। वहीं हिंदी पखवाड़ा-2024 के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया। इसमें भाग लेने वाले विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें स्वरचित का पाठ प्रतियोगिता में मनीष कुमार दिवाकर, लोकेश पाण्डेय, संजीत कुमार, निखिल पाण्डेय को पुरस्कृत किया गया। जबकि निबंध लेखन प्रतियोगिता में संजीत कुमार, अनुराग कुमार आनंद, राजनंदनी गुप्ता, रूपेश आदर्श को पुरस्कार मिला। वहीं भाषण प्रतियोगिता में रश्मि सिंह, लोकेश पाण्डेय, निखिल पाण्डेय, कुलदीप कुमार को पुरस्कार दिया गया। राजभाषा प्रश्न प्रतियोगिता जो कर्मचारी के लिए थी, उसमें सुनील पाण्डेय, मनीष जायसवाल, बबलू कुमार, अभिषेक ठाकुर, मनीष मिश्रा को पुरस्कृत किया गया। इससे पहले कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती और महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शोधार्थी लोकेश पाण्डेय ने सरस्वती वंदना का पाठ किया। सभी मंचस्थ अतिथियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। हिंदी विभाग में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सभी का स्वागत विभाग के आचार्य प्रो. राजेंद्र बडगूजर ने किया। मंच का सफल संचालन हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. गरिमा तिवारी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के ही सहायक आचार्य डॉ. श्यामनंदन ने किया। इस अवसर पर विभिन्न संकाय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, आचार्य एवं सहायक आचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हर्ष फायरिंग करने वाला मुखिया का राइफल जब्त

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया प्रखंड के पचरुखा पंचायत के मुखिया विनोद यादव का राइफल एवं दो जिंदा कारतूस पुलिस ने जब्त किया है।उल्लेखनीय हैं कि तत्कालीन एसपी के निर्देश पर तीन माह पहले इस मामले केस दर्ज किया गया था। जिसके बाद वर्त्तमान एसपी स्वर्ण प्रभात के कड़ा रूख के बाद उक्त कार्रवाई की गई है। एसपी ने जिले के सभी आर्म्स लाईसेन्स धारको को कहा है,कि प्रशासन द्वारा शस्त्र किसी को उसके स्वयं के सुरक्षा के लिए दिया जाता है न कि दिखावा व प्रदर्शन करने के लिए। एक विवाह उत्सव में हर्ष फायरिंग किये जाने को लेकर मुखिया के विरुद्ध तीन माह पहले केस दर्ज किया गया था। जिसको लेकर पुलिस ने घर पर रेड कर मुखिया का राइफल व गोली बरामद कर जब्त किया है और अग्रतर कार्रवाई की जा रही हैं। यहां बता दे कि हर्ष फायरिंग को लेकर बजरिया थाने में 1 जुलाई 24 को कांड संख्या 150 / 24 दर्ज किया गया था।

किशोरी के अपहरण मामले के अभियुक्त को चार वर्षो का सश्रम कारावास

बीएनएम। मोतिहारी

प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार ने एक किशोरी को अपहरण किए जाने मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को चार वर्षों का सश्रम कारावास व दस हजार रुपये अर्थ दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा मोतिहारी मुफस्सिल थाना के पतौरा निवासी रंजन प्रसाद के पुत्र कुंदन कुमार को हुई। वहीं नामजद दो अन्य अभियुक्त कुंदन की मां मीना देवी व मामा सुरेंद्र प्रसाद को न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। मामले में पीड़ित किशोरी के पिता ने मोतिहारी मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 12/2003 दर्ज कराया था। जिसमें कहा था कि 18 जनवरी 2003 की सुबह करीब 8 बजे उसकी पुत्री बगल के बगीचा में रखें पुआल लाने गई थी। उसी दौरान कुंदन कुमार अपने तीन साथियों के साथ जीप से आया और उसकी पुत्री को जबरन जीप पर लादने लगा। उसकी पुत्री चिल्लाई तो सूचक व गांव के अन्य लोग दौड़े। परंतु कुंदन कुमार ने नलकटूआ तान दिया तथा उसकी पुत्री को जबरन जीप पर बैठाकर मोतिहारी के ओर भाग गया। सूचक जब कुंदन के मां से पूछने गया तो वे आश्वासन दी कि चार से पांच घंटा के भीतर उसकी पुत्री आ जाएगी। लेकिन अपहृत लड़की नहीं आई। पुलिस ने काफी मशक्कत पर पांच दिन बाद शहर के मठिया जिरात से किशोरी को बरामद किया था। सत्र वाद संख्या 35/2004 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक ईश्वर चंद दुबे ने बारह गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 366 ए भादवि. में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए।

गांधी संग्रहालय परिसर का सौंदर्यीकरण करना ही बृज बाबू के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगीः सांसद

बीएनएम। मोतिहारी

गांधी संग्रहालय परिसर का सौंदर्यीकरण करना ही बृज बाबू के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बृज बाबू ने गांधी जी के जीवन और विचारों को जिया है और अब उनके सपनों को पूरा करना हमारी जवाबदेही हम सबकी है। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सांसद राधा मोहन सिंह ने गांधी संग्रहालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहीं। वहीं जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष गांधी संग्रहालय सौरभ जोरवाल ने कहा कि गांधी को हमने नहीं देखा लेकिन बृज बाबू जब भी मिलते तो हमे गांधी जी याद आ जाते। बृज बाबू के जाने के बाद हमारी जबाबदेही बढ़ गई है। उनके अधूरे काम को पूरा करने एवं उनके विचारों को आगे बढाना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर ब्रजकिशोर सिंह के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने वालों में मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार, उप महापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद, राय सुंदर देव शर्मा, प्रो० अरुण कुमार पूर्व प्राचार्य एम एस कॉलेज , प्रो. राम निरंजन पाण्डेय, शशि कला पूर्व प्राचार्य जिला स्कूल, डॉ. आशुतोष शरण, प्रो. विनय कुमार वर्मा, दिग्विजय कुमार, अनवर अंसारी, साजिद रजा , गुलरेज शहजाद, विनय कुमार उपाध्याय , शिवकुमार यादव, संजीव वर्मा, सुधा वर्मा, गौरी पूजन गुप्ता, कौशल किशोर सिंह, अमित निधि, उषा त्रिवेदी, अमरेंद्र सिंह, विनय कुमार, राज कुमार, जवाहर प्रसाद, आलोक कुमार, राज गुरु, हरेंद्र कुमार पंडित, डॉ रंजना कुमारी, डॉ. आरके तिवारी, बबलू श्रीवास्तव, सोनेलाल यादव, प्रियंका कुमारी,उपेन्द्र सहनी शामिल थे। श्रद्धांजलि सभा के अंत में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर ब्रजकिशोर सिंह की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की । कार्यक्रम का संयोजन राय सुन्दर देव शर्मा एवं संचालन विनय कुमार ने किया।

मस्ती और धमाल के बीच मना फ्रेशर पार्टी नोवोन्मेष-2024

बीजेएमसी से प्रशांत झा मिस्टर तथा सिमरन कुमारी मिस फ्रेशर और एमजेएमसी से श्रेया कुमारी मिस फ्रेशर तथा सौरभ कुमार सिंह मिस्टर फ्रेशर बने

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा वृहस्पति सभागार, बुद्ध परिसर में सीनियर विद्यार्थियों द्वारा नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी नवोन्मेष-2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार झा थे। कार्यक्रम के आयोजक एमएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर एवं बीएजेएमसी पंचम तथा तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी थे। जज के रूप में जंतु विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ कुंदन किशोर रजक, अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ उमेश पात्रा और शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ मनीषा रानी थी। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती और महात्मा गाँधी के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण करके की से हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पूरे उत्साह के साथ अपने जूनियर्स के स्वागत के लिए रंगारंग कार्यक्रम पेश किया गया, जिसमें संगीत, नृत्य, पंजाबी, अंग्रेजी व हिंदी गानों की प्रस्तुति, ड्रामा , रैंप वॉक तथा विशेष रूप से नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए कैटवॉक तथा क्वेश्चन राउंड का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बीजेएमसी तृतीय सेमेस्टर की मुस्कान कुमारी द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति हुई। उसके बाद सिमरन कुमारी बीजेएमसी प्रथम सेमेस्टर ने चटक मटक..., जय कुमार, एम एमएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर ने झलक दिखला जा... ,आकाश कुमार शोधार्थी द्वारा कविता सब माया है.., मृणाल तथा शांभवी ने युगल नृत्य और श्वेता प्रिया ने ऐसी लागी लगन कि शानदार प्रस्तुति दी। इसी क्रम में मुस्कान कुशवाहा के मैशअप गीत (गीतों का समूह), श्रुति श्रीवास्तव द्वारा राधा ऑन डांस फ्लोर..., राशि ने खुदाया खैर , आर्य कुमारी ने राधा कैसे न जले.., इशू पराशर ने रमता जोगी..., प्राची ने स्वीटी तेरा ड्रामा की प्रस्तुति कर दर्शको को झूमने पर मजबूर कर दिया। शांभवी द्वारा नैनो वाले ने..., आरुषि ने लंदन ठुमकदा... तथा प्रशांत झा द्वारा जन्नत सजाई मैंने तेरे लिए.. गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किये। पीएचडी शोधार्थी मयूरी घोष द्वारा तुझसे नाराज नहीं जिंदगी हैरान हूँ ... गीत की रोचक प्रस्तुति दी। वहीं जयकुमार ने रामधारी सिंह दिनकर रचित रश्मिरथी तृतीय पद की प्रस्तुति पेश की। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में नव आगुंतक विद्यार्थियों के लिए कैटवॉक व क्वेश्चन राउंड का आयोजन हुआ। जिसमें जजों ने सभी विद्यार्थियों की कैटवॉक देखी और कई सारे प्रश्न किये, जिसका समुचित उत्तर नव आगुंतकों द्वारा दिया गया। इस बीच एमएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के सौरभ कुमार सिंह और श्रेया ने क्रमशः मिस्टर व मिस फ्रेशर का खिताब जीता। वहीं बीएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के प्रशांत झा और सिमरन कुमारी ने क्रमशः मिस्टर व मिस फ्रेशर का खिताब जीता। नृत्य, गीत, नाटक से परिपूर्ण इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष ने कहा कि समाज में पत्रकारों की बहुत बड़ी भूमिका होती है और हम आशा करते हैं कि हमारे विद्यार्थी भविष्य में एक अच्छे पत्रकार और रचनात्मक कौशल से युक्त बनेंगे और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे। निर्णायक मंडल की तरफ से डॉ. मनीषा रानी ने कहा कि विद्यार्थियों में उमंग व उत्साह की भावना हमेशा रहनी चाहिए तथा वे भविष्य में जो भी कार्य करें पूरे उत्सव व उमंग के साथ करें। साथ ही सभी जजों ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को मंगलमयी आशीर्वाद दिया और भविष्य में सफल होने की कामना की। मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ परमात्मा कुमार मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम पूरे विद्यार्थियों के लिए आपस में एक सामंजस्य बनाने और शांत व स्वस्थ वातावरण बनाने की ओर एक नई पहल है। डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि सीनियर्स और जूनियर्स विद्यार्थी एक दूसरे को जाने व समझे और आपस में बंधुता व भाईचारा बनाए रखें। कार्यक्रम में मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. साकेत रमण एवं डॉ. उमा यादव ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया और कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में मंच का सफल संचालन प्रतीक कुमार, वागीशा, संजना और नीतीश कुमार ने की।

एलएनडी कॉलेज में चलाया गया स्वच्छता ही सेवा अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा के तहत स्वच्छता शपथ और महाविद्यालय परिसर की सफाई की गई। महाविद्यालय के खेल मैदान, वर्ग कक्ष, परिसर सहित मूर्तियों की साफ-सफाई की गई। एनएसएस के स्वयंसेवक पूरे परिसर में घूम-घूम कर सुखा कचरा इक्कठा किए। अभियान का शुभारंभ करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि बाह्य स्वच्छता से ज्यादा जरूरी है आंतरिक स्वच्छता की। आंतरिक स्वच्छता से हमारा मन मस्तिष्क शांत रहता है तथा काम में रुचि जगती है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि स्वच्छ भारत दिवस 2 अक्टूबर के पूर्व 15 दिनों का स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जाता है। यह अभियान वर्ष 2017 से प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। इन्होने छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि इस बार स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता (4एस) थीम पर आधारित यह अभियान 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर को समाप्त होगा। इस अवसर पर भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार, ऊर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी उपस्थित रहे। अभियान को सफल बनाने में आलोक, रितिका, अंजली, मनीषा, शिवम, किरण, साहिल, विकाश, मुस्कान, आयशा, खुशी, सोनाली, रिमझिम, अभिषेक आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

संक्षिप्त समाचार

चंपारण तटबंध टूटा, बाढ़ पीड़ितों से मिले बगहा विधायक, एसडीएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम। बगहा। नेपाल से छोड़े गए 6 लाख क्यूसेक पानी की वजह से गंडक नदी के उफान का शिकार चंपारण तटबंध लगभग सौ फीट टूट गया है। जिस कारण सिंगाड़ी पिपरिया पंचायत के वार्ड नं15 के अधीन दारोगा चौक के समीप लगभग 100 सौ फीट बांध को पूरी तरह से पानी अपने साथ बहा ले गया । बाढ़ के पानी से दर्जनों घर में जलजला आ गया है। जानकारी उपलब्ध होने के बाद बगहा विधायक राम सिंह ने घटना के तुरंत बाद बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत होकर हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। इस दौरान बगहा विधायक राम सिंह ने बताया कि मुझे जैसे ही बांध टूटने की जानकारी प्राप्त हुई। उसके तुरंत बाद बेतिया डीएम दिनेश कुमार राय को इसकी सुचना दी गई। वही सूचना पर डीएम तथा बगहा एसडीओ गौरव कुमार के साथ साथ जल संसाधन के अधिकारी मौके पर पहुंच कर स्थिति को देखा। वहीं बगहा 1 सीओ तथा बीडीओ को बाढ़ पीड़ितों को तत्काल रूप से मदद पहुंचाने की बात कही गई। वही बाढ़ पीड़ितों के सेहत ठीक करने के लिए डाक्टरों की टीम दवाइयों के साथ कैंप करने के साथ ही मेडिकल की टीम कैंप कर बीमार लोगों का इलाज कर रहे हैं। वहीं सड़क पर आवागमन चालू करने के लिए जल संसाधन विभाग के तरफ से वार फूटिंग पर मिट्टी भराई का कार्य चलाया जा रहा है। कहा कि जल संसाधन के एस्क्यूटिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बाकी के अधिकारियों के विरुद्ध जांच किया जा रहा है। दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा।

बिहार एक्टिविटी जोन के बसंत अरशद और जानसु ने अंतर जिला वुशू प्रतियोगिता में लहराया परचम

बीएनएम। नरकटियागंज। बिहार एक्टिविटी जोन नरकटियागंज के वसंत कुमार अंडर-19 के 60 kg के वर्ग में स्वर्ण पदक, अरशद खान अंडर-17 के 40kg वर्ग में सिल्वर पदक और जानसू कुमार अंडर-17 के 70kg वर्ग में कांस्य पदक कोच शिवम कुमार के नेतृत्व में जीत कर नगर को गौरवान्वित किया। उक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष व नगर प्रमुख समाज सेवी वर्मा प्रसाद ने दी। संस्था के सचिव व प्रशिक्षक अभिषेक कुमार ने बताया कि 26 सितंबर से 28 सितंबर तक अररिया में आयोजित तीन दिवसीय बिहार राज्य अंतर जिला अंडर 17-19 वर्ष के वूशु प्रतियोगिता में बिहार के 22 जिला से 250 प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया जिसके मुख्य अतिथि अररिया के जिला पदाधिकारी अनिल कुमार ने विजयी प्रतिभागियों को पदक देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि के लिए बिहार एक्टिविटी जोन के उपाध्यक्ष खेल प्रशिक्षक सुनील वर्मा, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अतुल कुमार, विश्वजीत कुमार, चंदन कुमार, सुमित कुमार गुप्ता आदि के विजेताओं को बधाई दी।

दुर्गा पूजा को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

असामाजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजरः थानाध्यक्ष

बीएनएम। नरकटियागंज/मैनाटांड। पुरुषोत्तमपुर थाना परिसर में नवरात्र पर्व को लेकर शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष संजीव कुमार की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि डीजे पर पूर्ण रुप प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि दशहरा में मेला एवं मूर्ति रखने वाले समिति को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस के अगर कोई मेला या मूर्ति रखता है तो उनपर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। साथ ही मेला में घुम रहे असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रहेगी। अगर किसी के नजर में मेला में घूम रहे संदिग्ध नजर आये तो फौरन पुलिस को सूचित करें। पुलिस तुरंत कार्यवाही करेगी।साथ ही उन्होंने थाना क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की अपने अपने क्षेत्रों में शांति पूर्वक एवं भाईचारे के साथ मनाए जिसमे ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पश्चिम चंपारण ज़िला के स्कूलो में घुसा बाढ़ का पानी, पठन पाठन बंद

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण ज़िला के दर्जनों से अधिक विद्यालयों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने के कारण पठन-पाठन कार्य बाधित हो गया है। वही जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा एवं साक्षरता सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी गार्गी कुमारी ने बताया कि 27 विद्यालयों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है।उक्त सभी विद्यालयों में पठन-पाठन कार्य बंद है। उन्होंने बताया कि करीब लगभग 4000 से अधिक छात्राओं की शिक्षण कार्य प्रभावित हुई है। उत्क्रमित उच्च विद्यालय कौलापुर, प्राथमिक विद्यालय कौलापुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय डीही ढबेलवा, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय खुटवनीया जरलपुर, प्राथमिक विद्यालय जरलपुर खुटवनीया, प्राथमिक विद्यालय जरलपुर हरिजन टोली, प्राथमिक विद्यालय डीही पूर्वी टोला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय जरलपुर, प्राथमिक विद्यालय ढबेलवा मल्लाह टोली, प्राथमिक विद्यालय ढबेलवा प्रसाद राउत के टोला, प्राथमिक विद्यालय डिहि गजना उर्दू, प्राथमिक विद्यालय वैसिया गोड टोली, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मरवारी टोला रमना, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय दुधियवा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लकडा, प्राथमिक विद्यालय झिंगुर राय के टोला, प्राथमिक विद्यालय पिपरपांती रमना, प्राथमिक विद्यालय भरथापट्टी, प्राथमिक विद्यालय मंगरू मियाँ के टोला, प्राथमिक विद्यालय मदारपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटवलिया, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चौमुखा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय खलवा टोला डुमरी, प्राथमिक विद्यालय चौमुखा सेढा टोला, प्राथमिक विद्यालय बैसिया हिन्दी, प्राथमिक विद्यालय खलवा टोला नवलपुर, प्राथमिक विद्यालय महावीर राम के टोला सहित कुल 27 विद्यालयों में बाढ़ का पानी प्रवेश किया है। बीईओ ने बताया कि बाढ़ प्रभावित विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों को दूसरे विद्यालयों में शिफ्ट किया गया है। वर्तमान समय में चल रही परीक्षा में भी कई विद्यालय में शिक्षक प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

प्रखंड में बिना लाइसेंस के ही चल रहे हैं निजी क्लिनिक और सैकड़ो दवा दुकान

- मानकों को तक पर रखकर हो रहे हैं संचालित, सरकार की गाइडलाइन का नहीं कर रहे पालन
- दर्जनों क्लीनिक की हुई जांच, लेकिन नहीं हुई कोई कार्रवाई
- एक आरटीआई के तहत प्रखंड क्षेत्र में एकमात्र क्लिनिक है रजिस्टर्ड, बाकि फर्जी

बीएनएम। कोटवा

प्रखंड क्षेत्र में सैकड़ो दवा की दुकान और निजी क्लीनिक बिना लाइसेंस के चल रही है। इन दुकानों में जीवन रक्षक दवाइयां को रखने के लिए फ्रिज भी नहीं है। ऐसी दुकानों में सेल टैक्स व इनकम टैक्स भी नहीं जाता। सूत्रों की माने तो प्रखंड के अलावा गांव में भी करीब दर्जनों से अधिक दुकानों बिना लाइसेंस के ही चल रही है। इन दुकानों में औषधि एक्ट का पालन नहीं होता, उनके यहां फार्मासिस्ट नहीं होते, लेकिन विभाग की ओर से अभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। इतना ही नहीं प्रखंड के कई ऐसे क्लीनिक व नर्सिंग होम है जहां पर गैर लाइसेंसी दवा दुकान चलाया जा रहा है। बात करें निजी क्लीनिक की तो लोग जान बचाने के लिए चिकित्सा के पास जाते हैं लेकिन कोटवा में लोगों की जान बचाने वाले क्लिनिक इन लोगों की जान की दुश्मन बन बैठे हैं इन दोनों प्रखंड के बाजार सहित कई गांव में कुकुरमुत्ता की तरह निजी क्लीनिक खोले जा रहे हैं। नर्सिंगहोम क्लीनिक प्रबंधक मानकों को तात्पर्य कर मरीज का इलाज कर रहे हैं। ऐसे निजी क्लीनिक मौत के सौदागर साबित हो रहे हैं, इसका खमीयाजा सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग का स्पष्ट निर्देश है कि बिना लाइसेंस के निजी नर्सिंग होम व दवा की दुकान नहीं चलेगा। फिर भी प्रखंड में नियम कानून की धज्जिया उड़ते हुए छोटे-छोटे गांव, बाजार में दर्जनों नर्सिंग होम व दवा की दुकानें संचालित हो रहे हैं। जब छापेमारी होती है उससे पहले दवा दुकानदारों एवं निजी क्लीनिक को सूचना मिल जाती है। ऐसे में दवा दुकानदार और निजी क्लीनिक संचालक अपने-अपने दुकान को बंद कर रफू चक्कर हो जाते हैं। जब जांच टीम जांच करने जाती है। बताते चले कि कई बार निजी नर्सिंग होम की जांच हुई है। लेकिन कार्रवाई नहीं होने से निधडक निजी क्लीनिक वाले लोगों के जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। आखिर इन निजी क्लिनिको पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है?

क्या कहते है अधिकारी<– सिविल सर्जन विनोद कुमार सिंह सरकार के निर्देश पर प्राधिकार का गठन कर लिया गया है। इस आशय का निर्देश सभी पीएससी को भेज दिया गया है। इस तरह के निजी अस्पताल, क्लिनिक और जांच घर आदि का नियमानुकूल संचालित नही होंगे उनको जांच कर कार्रवाई होगी।

मुसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के पानी ने नगर पंचायत सहित प्रखंड के उत्तरी क्षेत्रों में किया प्रवेश

- सुगौली थाना सहित कई वार्डों में घुसा बाढ़ का पानी
- बाढ़ प्रभावित लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर लिया शरण

बीएनएम। सुगौली

दो दिनों से हो रही मुसलाधार बारिश से एक तरफ राहत मिली है तो वहीं दूसरी ओर प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली सिकरहना नदी का पानी बांधों के आसपास बसे गांवों, सुदूरवर्ती क्षेत्रों सहित नगर पंचायत के लगभग आधा दर्जन वार्डों में सोमवार को प्रवेश कर गया है। स्थानीय थाना परिसर में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है।साथ ही पानी के तेज बहाव को देखते हुए कहा जा सकता है कि देर शाम रात तक बाढ़ का पानी थाना परिसर में पुलिस बलों के लिए बने क्वार्टरों को भी अपने जद में ले लेगा। पुलिस पदाधिकारी सहित पुलिस के जवान सुरक्षित जगहों पर शरण तलाशने में लगे हैं। वहीं नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक , दो, तीन,सात,नौ,ग्यारह,बारह तथा अठारह में बाढ़ ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। वहीं प्रखंड क्षेत्र के सुकुल पाकड़ पंचायत के लालपरसा धुमनी टोला स्थित वर्षों से जर्जर बांध की मरम्मत नहीं होने से बाढ़ का पानी उत्तरी क्षेत्र में फैलने लगा है। वहीं नदी के तटबंधों का रख रखाव सही तरीके से नहीं होने तथा बाढ़ निरोधक कार्यों में शिथिलता के कारण नदी के पानी के दबाव से बांधों का कटाव तेजी से हो रहा है। वहीं वार्ड पांच के समीप नदी के तेजी से कटाव करने से आस पास बसे लगभग आधा दर्जन घरों पर खतरा बढ़ गया है। लोगों को शंका है कि अगर पानी के बढ़ने की गति में कमी नहीं आई तो प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी छपरा बहास पंचायत का कैथवलीया, भवानीपुर, रघुनाथपुर पंचायत का करमवा,केकरवा,माली पंचायत के कई गांवों सहित अन्य पंचायतों को भी बाढ़ की विभीषिका से बचा पाना नामुमकिन होगा। वहीं नदी के समीप स्थित नगर पंचायत के वार्ड बारह डाक-बंगला के एक दर्जन घरों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। जिससे वहां के लोग पलायन करके राष्ट्रीय राजमार्ग पर तंबुओं में शरण लिए हुए है। वहीं स्थानीय प्रशासन,सी ओ कुंदन कुमार बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी फैल रहा है।प्रशासन बाढ़ राहत- बचाव व सहायता कार्यों को लेकर पूरी तरह चौकस है।

जिले के प्रभारी मंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

प्रभावित परिवार को राहत सामग्री उपलब्ध कराने को कहा

बीएनएम। केसरिया

सूबे के शिक्षा मंत्री सह जिला के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार ने सोमवार को केसरिया प्रखण्ड क्षेत्र के ढेकहाँ पंचायत के बाढ़ प्रभावित विभिन्न वार्डों का जायजा लिया। इस दौरान केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, डीएम सौरभ जोरवाल व पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात भी मौजूद रहे। जायजा लेने के क्रम में यहाँ बांध पर रह रहे बाढ़ प्रभावित परिवारों को पॉलिथीन शीट्स और सुखा राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। एसडीओ चकिया शिवानी शुभम के द्वारा मंत्री व जिलाधिकारी को बताया गया कि बांध पर एक मेडिकल टीम को कैंप कराया जा रहा है ताकि रात्रि में स्वास्थ्य संबंधी किसी परेशानी को तुरंत दूर किया जा सके। उन्होंने बताया कि ढेकहाँ पंचायत का वार्ड नौ आंशिक रूप से बाढ़ प्रभावित हैं। प्रशासन के द्वारा इस पर लगातार नजर रखी जा रही है। बांध पर जल संसाधन विभाग के अभियंता तथा रात्रि प्रहरी को प्रतिनियुक्त किया गया है। वहीं मंत्री के द्वारा डुमरियाघाट के पास गंडक नदी में पानी के बहाव का भी जायजा लिया गया। साथ हीं संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह, अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

बाढ़ का औचक निरीक्षण करने पहुंचे जिला पार्षद प्रतिनिधि भानु प्रताप श्रीवास्तव उर्फ निपू लाल

- निरीक्षण के दौरान श्रीवास्तव ने लिया बाढ़ की जायजा
- सरकारी निधि एवं अपने कोस से सहायता राशि प्रदान करने का दिया आश्वासन

बीएनएम। नौतन/बेतिया

गंडक नदी में जल स्तर बढ़ने से नौतन प्रखंड स्थित शिवराजपुर पंचायत एवं भगवानपुर पंचायत के कई सारे वर्ड जलमग्न हो गया है।सैकड़ो घर पानी में तब्दील हो गया है।लोग अपना शरण लेने के लिए उच्च टापे पर पलायन के लिए मजबूर हैं। बाढ़ ग्रसित लोगों के बीच अभी तक सरकारी लाभ मौजूद नहीं है जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। वहीं इसकी सूचना मिलते ही 36 जिला पार्षद प्रतिनिधि भानु प्रताप श्रीवास्तव उर्फ निपू लाल ने बाढ़ ग्रसित लोगों के बीच पहुंचकर बाढ़ की जायजा लिया।बाढ़ ग्रसित लोगों से बातचीत करने के दौरान श्रीवास्तव ने बताया कि यहां बाढ़ ग्रसित लोगों के बीच नाव की व्यवस्था नहीं है,खाने की सामग्री नहीं है।और नहीं रहने की कोई ठिकाना है लेकिन जल्द ही सरकारी राशि एवं अपने को कोष से सहायता प्रदान की जाएगी।निरीक्षण के दौरान पहुंचे नौतन अंचला अधिकारी ने जल्द ही सरकारी लाभ पहुंचाने का आश्वासन दिया।

स्मार्ट मीटर बिहार सरकार बंद करें, अन्यथा होगा बड़ा जन आंदोलनः जय सिंह

बीएनएम। बेतिया

स्मार्ट मीटर के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी ने किया चौतरवा से शंखनाद, स्मार्ट मीटर नहीं बल्कि खुन चुसवा मीटर है। कांग्रेस पार्टी से बगहा के पूर्व प्रत्याशी जयेश मंगलम सिंह उर्फ जय सिंह ने सोमवार को कहा कि बिहार सरकार की स्मार्ट मीटर खुन चुसवा मीटर है। वह एन एच 727 मुख्य मार्ग के चौतरवा चौक स्थित सागर पोखरा परिसर में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे, जहां हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। उन्होंने बिहार सरकार को विशाल जनसभा के माध्यम से शांति का संदेश देते हुए कहा कि सरकार जिस तरह दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में 200 यूनिट बिजली फ्री की है। उसी तरह बिहार में भी 200 यूनिट बिजली फ्री करें। बगहा और बिहार से भी स्मार्ट मीटर हटावें, नहीं तो बगहा के साथ पूरे बिहार में जन आंदोलन शुरू होगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि स्मार्ट मीटर के विरुद्ध सुबे में क्रांति की लहर है। चम्पारण के लोग अब अपने हक और अधिकार के लिए जागरूक हो गयें है। सरकार स्मार्ट मीटर हटा कर 200 यूनिट बिजली फ्री करें और पूर्व के मीटर को सुचारू करें। उन्होंने कहा कि बगहा में सरकार स्मार्ट मीटर बंद करें, अन्यथा बगहा से स्मार्ट मीटर के विरुद्ध बहुत बड़ा जन आंदोलन होगा। जन सभा में आये महिलाओं ने भी एक स्वर से स्मार्ट मीटर का विरोध करते हुए कहा कैंसर बीमारी से भी बदतर स्मार्ट मीटर है, जो गरीब लोगों के परिवारों को बर्बाद कर रहा है। कांग्रेस नेता ने बगहा विधानसभा क्षेत्र के महिलाओं को सशक्त व आत्म निर्भर बनने की पहल की। कहा कि बहनें भी आत्म निर्भर बने तथा स्मार्ट मीटर के विरुद्ध जोरदार तरीके से आवाज उठावें।

वनों के आकार में बड़ी वृद्धि का वादा

पर्यावरणविदों के मुताबिक 2001 में भारत ने वनों के वर्गीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया था। पर्यावरणवादी संगठन नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई वन वृद्धि मुख्य रूप से 'वन की परिभाषा बदलने के कारण हासिल हुई है। नेशलन ग्रीन ट्रब्यूनल (एनजीटी) जांच कर रहा है कि क्या सरकारी दावों के विपरीत भारत में प्राकृतिक जंगल तेजी से घट रहे हैं। सरकार ने यह कहानी दुनिया भर में फैलाई है कि पिछले दो दशकों में भारत के हरित क्षेत्र में भारी वृद्धि हुई है। एनजीटी में मई में दर्ज एक मामले में कहा गया कि सरकार का ये दावा गलत है। मुकदमे में कहा गया है कि पिछले 24 साल में भारत ने 23,000 वर्ग किलोमीटर पेड़ों का आवरण खो दिया है। इस आंकड़े का स्रोत ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच गया है, जो एक स्वतंत्र संगठन है और उपग्रह से ली गई तस्वीरों से विश्व भर के जंगलों समय में आंकड़े प्रकाशित करता है। हाल की तस्वीरों से पता चला कि 2013 से 2023 के बीच भारत में 95 फीसदी पेड़ों का नुकसान प्राकृतिक जंगलों में हुआ है। जबकि सरकारी आंकड़ों में दिखाया गया है कि 1999 से भारत का वन क्षेत्र बढ़ा है। सरकार की पिछली रिपोर्ट के अनुसार 2019 से 2021 के बीच वन और वृक्ष आवरण में 2,261 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई। सरकारी आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले पर्यावरणविदों का कहना है कि आंकड़ों में यह अंतर्विरोध इसलिए है, क्योंकि 2001 में भारत ने वनों के वर्गीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया था। पर्यावरणवादी संगठन नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई वृद्धि मुख्य रूप से 'वनO की परिभाषा बदलने के कारण है। नई परिभाषा में वनों के बाहर के हरे क्षेत्रों को भी शामिल कर लिया गया है। इस मामले में भारत की साख दांव पर है। भारत ने 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य घोषित करते हुए अपने वनों के आकार में बड़ी वृद्धि का वादा किया है। अगर एनजीटी में पर्यावरणवादी अपने केस को पुष्ट करने में सफल हो जाते हैं, तो भारत के इस दावे पर गंभीर सवाल उठ खड़े होंगे कि 2070 का लक्ष्य पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की कुछ ऐसी कहानियां पहले भी तथ्यों की रोशनी में संदिग्ध हो चुकी हैं। क्या इस मामले में भी ऐसा ही होगा?

एक देश-एक चुनाव

15 अगस्त को लाल किले से अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि देश में विधानसभाओं, लोकसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ होने चाहिए । इससे समय और पैसे की बचत होगी । बात तो बिल्कुल ठीक लगती है परन्तु अनेक विपक्षी पार्टियां इस का विरोध कर रही हैं । असल में चुनाव के दौरान आचार संहिता लग जाती है जिस कारण केन्द्र और सम्बन्धित राज्यों के विकास काम रुक जाते हैं । सरकारी कोई लाभकारी नीति की घोषणा नहीं कर सकती । इस कारण गरीब पक्ष को लाभ नहीं मिलता । फिर चुनाव कराने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं । उसकी भी बचत होगी । असल में सन् 1952 से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुये थे । बाद में विधानसभाएं भंग होने के कारण या राज्यपाल शासन लग जाने से यह व्यवस्था बिगड़ गई । यूं लोकसभा के चुनाव भी कई बार पांच साल में दो या तीन बार कराने पड़े थे ?। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार एक साल में गिर गई तो फिर चुनाव कराने पड़े । 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी ने जल्दी इस्तीफा दे दिया तो पांच साल से पहले चुनाव करवाने पड़े । पैसे के अलावा संसाधनों का बेहतर प्रयोग होगा यदि राज्य और केन्द्र के चुनाव एक साथ हों । असल में इस समय देश में अ_ईस राज्य और आठ केन्द्र शासित प्रदेश हैं । केवल दो केन्द्र शासित प्रदेशों में चुनी हुई सरकारें हैं -- दिल्ली और पांडिचेरी । इस प्रकार कुल 30 विधानसभाएं हैं । इसमें 15 राज्यों में भाजपा की सरकार है । गठबन्धन का मुख्यमंत्री है । शेष 13 राज्यों में भाजपाई मुख्यमंत्री हैं । इसमें भी कुछ राज्यों में भाजपा अपनी भागीदारी मानती है । असल में 1967 तक बहुत सी रीजनल पार्टियां हारी नहीं थी । आज स्थिति यह है कि अनेक राज्यों में उनकी अपनी रीजनल पार्टी का वर्चस्व है जैसे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डी.एम.के. । उड़ीसा में बीजू जनता दल । यद्यपि इस बार वह हार गया । उत्तर पूर्व के राज्यों में अपनी-अपनी पार्टियां हैं । आन्ध्रप्रदेश में तेलुगू देशम्, दिल्ली में आम आदमी पार्टी । अभी देखा यह गया है कि वोटर केन्द्र के लिए भाजपा को चुनता है, परन्तु राज्य में स्थानीय पार्टी को चुनता है । एक साथ चुनाव होने पर रीजनल पार्टी का प्रभाव कम हो जायेगा, यह आप विपक्षी दल लगाते हैं । यह भी कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग निष्पक्षता से काम नहीं करता ।

एग्री इंफ्रा फंड से बदल रहा किसानों का जीवन

शिवराज सिंह चौहान

सरकार किसानों के सशक्तीकरण और कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी नीतियों में स्पष्ट रूप से झलकता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का किसानों के प्रति गहरा प्रेम और संवेदनशीलता, उनके द्वारा लिए गए निर्णय, नीतियों और योजनाओं में स्पष्ट नजर आती है। अन्नदाताओं का जीवन बदलना ही उनका प्रथम लक्ष्य है और संकल्प भी। यही कारण है कि सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में कृषि और किसान सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहे। उनके नेतृत्व में, सरकार किसानों के सशक्तीकरण और कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी नीतियों में स्पष्ट रूप से झलकता है। भारत में फसल के बाद होने वाला नुकसान बड़ी चुनौती है, जो कृषि क्षेत्र की क्षमता और लाखों किसानों की कड़ी मेहनत को प्रभावित कर रहे हैं। हाल के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष इसके कुल खाद्य उत्पादन का लगभग 16-18% नष्ट हो जाता है। ये नुकसान कटाई, थ्रेसिंग, भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण सहित विभिन्न चरणों के दौरान होते हैं। उचित भंडारण की कमी, कोल्ड चेन और अपर्याप्त प्रसंस्करण इकाइयाँ, कुशल लॉजिस्टिक्स का अभाव इन बड़े नुकसानों में योगदान करते हैं, जिससे देश की समग्र खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इन्हे मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार नए सिरे से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए नवाचार के नित नये उपाय किये जा रहे हैं। वैज्ञानिकों के शोध को लैब से लैंड तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है, जिससे किसानों की उत्पादन की लागत घटे और फायदा ज्यादा हो। प्रधानमंत्री दूरदृष्टा हैं जिनके द्वारा जुलाई 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में एआईएफ की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने और खाद्यान्न की बर्बादी को कम करने के लिए कृषि परिसंपत्तियों के माध्यम से फसलोपरांत प्रबंधन परियोजनाओं और नए युग की तकनीकों को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों का समाधान करना है। एआईएफ के तहत, बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा 3% प्रति वर्ष की ब्याज छूट और सीजीटीएमएसई के तहत 2 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज के साथ ऋण के रूप में 1 लाख करोड़ रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस पहल के माध्यम से सरकार का उद्देश्य न केवल उपज की गुणवत्ता और मात्रा को संरक्षित करना है, बल्कि किसानों को बाजारों तक अधिक कुशलता से पहुँचने में सक्षम बनाना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व के परिणामस्वरूप अगस्त 2024 तक योजना के लाभ के लिए पात्र 35,747 करोड़ रुपये सहित इस योजना के तहत स्वीकृत राशि 47,500 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है और 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण हो चुका है। उल्लेखनीय रूप से स्वीकृत परियोजनाओं में से 54% योजनाएं किसानों, सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं, जो प्रधानमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप खेत-स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में किसानों की मजबूत भागीदारी को प्रदर्शित करती हैं। कृषि उपज का फसलोपरांत नुकसान का समाधान हो सके, इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी अत्यंत गंभीर है। उन्होंने भंडारण (ड्राई और कोल्ड), परिवहन आदि में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, ताकि किसानों को फसल नुकसान से बचाया जा सके। शुष्क भंडारण के संदर्भ में, खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भारत में 1740 लाख मीट्रिक टन क्षमता के स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है और वर्तमान में भारत में कुल अनाज उत्पादन की भंडारण क्षमता 44% है, जो बहुत कम है। इसी प्रकार बागवानी उत्पादों के लिए भारत में लगभग 441.9 लाख मीट्रिक टन भंडारण की कोल्ड चेन क्षमता है जो देश में फलों और सब्जियों के उत्पादन का केवल 15.72% है। इन पूर्ण परियोजनाओं ने क्षेत्र की भंडारण क्षमता में लगभग 500 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि की है। परिणामस्वरूप, नई शुष्क भंडारण सुविधाएं प्रति वर्ष 18.6 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का संरक्षण कर रही हैं, जिससे लगभग 5,700 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उचित कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के विकास से बागवानी उत्पादों के नुकसान में 10% की कमी आई है, जिससे फसलोपरांत 3.5 लाख मीट्रिक टन उपज सुरक्षित हो रही है और हर साल लगभग 1,250 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। प्रधानमंत्री का कृषि क्षेत्र और किसानों के प्रति यह समर्पण न केवल उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एआईएफ से कृषि अवसंरचनाओं के विकास को नई गति मिली है। अगस्त 2024 तक, एआईएफ के तहत देश भर में एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 74,695 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन इंफ्रास्ट्रक्चर में 18,508 कस्टम हायरिंग सेंटर, 16,238 प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, 13,702 गोदाम, 3,095 छंटाई और ग्रेडिंग इकाइयां, 1901 कोल्ड स्टोर और कोल्ड चेन और 21,251 अन्य प्रकार के एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। 74,695 परियोजनाओं की मंजूरी से कृषि क्षेत्र में कुल 78,702 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जो महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, बल्कि युवाओं और किसानों के बीच उद्यमशीलता को भी प्रोत्साहित किया है, जिससे लगभग 50,000 नए कृषि उद्यम स्थापित हुए हैं। सरकार के प्रयासों से युवा भी कृषि की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। यह कदम किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इन प्रयासों ने 800,000 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं और भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ेगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2.5 मिलियन नौकरियों का सृजन होगा। सरकार की कल्याणकारी नीतियों से किसानों की कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव आया है। खेत पर उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से किसानों को सीधे व्यापक उपभोक्ता आधार को बेचने की सुविधा मिली है, जिससे मूल्य प्राप्ति में वृद्धि हुई है और उनकी समग्र आय में वृद्धि हुई है। आधुनिक पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज सिस्टम के कारण किसान अपनी बाजार बिक्री को समयबद्ध ढंग से अधिक रणनीतिक रूप से कर सकते हैं, जिससे बेहतर मूल्य प्राप्ति होती है। औसतन, इस इंफ्रास्ट्रक्चर ने किसानों को अपनी उपज के लिए 11-14% अधिक मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। सरकार की नीतियाँ न केवल एग्रीकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्रोत्साहित कर रही हैं, बल्कि ऋण जोखिम को भी कम कर रही हैं। क्रेडिट गारंटी समर्थन और ब्याज छूट के माध्यम से ऋण देने वाली संस्थाएं न्यूनतम जोखिम के साथ ऋण दे सकती हैं, जिससे उनके ग्राहक आधार और पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन का विस्तार करने में सहायता मिलती है।

विशेष रूप से, इस फंड ने नाबार्ड की पुनर्वित्त सुविधा के साथ मिलकर एग्रीकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में शामिल प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के लिए प्रभावी ब्याज दर को घटाकर 1% कर दिया है। इससे इन पैक्स से जुड़े हजारों किसानों को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है। आज तक, एआईएफ के तहत 2,970 करोड़ रुपए के ऋण के साथ 9,573 पैक्स परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें नाबार्ड से सैद्धांतिक मंजूरी भी शामिल है। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में केंद्र सरकार ने महत्वाकांक्षी एआईएफ योजना में प्रगतिशील वृद्धि की एक श्रृंखला शुरू की है, जिससे यह अधिक समावेशी और काफी हद तक अधिक प्रभावशाली बन गई है। सरकार का प्रयास है कि कृषि लाभ का धंधा बने और किसानों की आय बढ़े, इसके लिए हमने छह सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत कम करना, उत्पादन के ठीक दाम दिलाना, प्राकृतिक आपदा में राहत की उचित राशि दिलाना, कृषि का विविधीकरण और प्राकृतिक खेती।

लेखक भारत सरकार में केंद्रीय कृषि मंत्री हैं।

गांधी के रास्ते पर चलने वाली पांच शख्सियतें

आर.के. सिन्हा

हम भारतीय चाहें जितना भी गर्व कर सकते हैं कि महात्मा गांधी जैसी पवित्र शख्सियत का संबंध भारत से है। हालांकि , उनके प्रति सम्मान और आदर का भाव तो सारी दुनिया ही रखती है। वे अपने जीवनकाल और उसके बाद भी करोड़ों लोगों को अपने सत्य और अहिंसा के विचारों से प्रभावित करते हैं। अब भी सारी दुनिया में अनगिनत लोग गांधी जी को ही अपना आदर्श मानते हैं। इसी तरह से न जाने कितने लोग गांधी जी के रास्ते पर चलते हुए अपने - अपने ढंग से संसार को बेहतर बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। उनमें भी अब गांधी जी की छवि दिखाई देती है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। आप चाहें तो 88 साल की कात्सू सान को देश की सबसे खास गांधीवादी व्यक्तित्वों में एक मान सकते हैं। कात्सू सान राजघाट पर होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ती हैं। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। वह गुजरे 60 वर्षों से भी ज्यादा सालों से गांधी जी को पढ़ रही हैं और दुनिया को उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश दे रही हैं। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वह 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं , ताकि ; उन्हें वे और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से ऐसा साक्षात्कार हो गया कि उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया। उनमें आप अपनी मां के चेहरे को देख सकते हैं। भारत को लेकर उनकी दिलचस्पी भगवान बौद्ध के चलते ही बढ़ी थी। पर अब तो उन्हें भारत ही अपना देश लगता है। वह कहती हैं कि भारत के कण-कण में पवित्रता है। भारत ही वास्तव में संसार का आध्यात्मिक विश्व गुरु है। भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर वो कहती हैं कि मुझे तो दुनिया में कोई अन्य देश मिला ही नहीं , जहां पर सरकारी कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होती हो। भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ पर सभी धर्मों का बराबरी का सम्मान मिलता है। कात्सू सान के मुताबिक भगवान बुद्ध और गांधी जी दोनों ही के रास्ते आपको एक दिशा में ही लेकर जाते हैं। इसीलिये ये दोनों सदैव प्रासंगिक रहने वाले हैं। दोनों का जीवन पीड़ा को कम करने और समाज से अन्याय को दूर करने के लिए ही समर्पित रहा था। इसी प्रकार , गांधी जी की दर्जनों मूर्तियां बनाने वाले महान मूर्ति शिल्पकार राम सुतार जी बचपन से ही गांधी के रास्ते पर चलने लगे थे।वे जब गांधी जी की किसी प्रतिमा को शक्ल दे रहे होते हैं,तो उन्हें लगता है मानो वे गांधी से संवाद कर रहे हों। उन्हें गांधी जी की प्रतिमाओं पर काम करते हुए अपार आनंद मिलता है। संसद भवन के प्रांगण में लगी उनकी बनाई गांधी जी की मूर्ति तो बेजोड़ है। इसमें बापू ध्यान की मुद्रा में हैं। यह असाधारण मूर्ति 17 फीट ऊंची है। उनकी कृतियां मुंह से बोलती हैं। उन्होंने ही पटना के गांधी मैदान में स्थापित बापू की मूर्ति को भी तैयार किया था। इसी तरह ब्रदर सोलोमन जॉर्ज भी पक्के गांधीवादी हैं। वे गांधी जी को ही अपना मार्गदर्शक

मानते हैं। उन्हें गांधी जी इसलिए भी अपने लगते हैं क्योंकि वह 12 मार्च 1915 को अपनी पहली राजधानी यात्रा के दौरान सेंट स्टीफंस कॉलेज में ही ठहरे थे। देश के कई शहरों में शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी से जुड़े हुए हैं ब्रदर सोलोमन। इसी संस्था ने सेंट स्टीफंस क़ॉलेज स्थापित किया था। ब्रदर सोलोमन बताते हैं कि गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में ईसाई मिशनरी जोसेफ डोक से भी मिले थे , जिन्होंने उनकी पहली जीवनी लिखी। वहां ही उनकी दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज से भी उनकी मुलाकात हुई। उन्हें लगता है कि गांधी जी विश्व भर में शांति के सबसे बड़े प्रेरक हुए हैं , जिन्हें दुनिया ने बुद्ध और ईसा मसीह के बाद देखा है। गांधी जी आज के दौर में भी उतने ही प्रासंगिक हैं , जितने कि वे अपने जीवन काल में थे। ब्रदर सोलोमन की पसंदीदा गांधीवादी शिक्षाओं में से एक है, "अगर कोई दुश्मन आपके बाएं गाल पर वार करे, तो उसे अपना दायां गाल दे दो।" आपको डॉ. विनय अग्रवाल में भी गांधी जी की छाया नजर आती है। पेशे से मेडिसिन के क्षेत्र से जुड़े हुए डॉ. अग्रवाल अपने स्तर पर लगातार वाल्मीकि समाज के नौजवानों को रोजगार और उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्हें दलितों के हक में गांधी जी के किए काम प्रभावित करते हैं। गांधी जी ने मंदिरों में दलितों के प्रवेश के लिए आंदोलनों का समर्थन किया। डॉ. अग्रवाल का बचपन राजधानी के कृष्णा नगर में बीता। उस दौरान उन्होंने वाल्मीकि समाज की बदहाली को अपनी आंखों से देखा। उसके बाद वे जब सक्षम हुए तो उन्होंने वाल्मीकि समाज के लिए ठोस काम करने शुरू किये। इसकी प्रेरणा उन्हें गांधी जी से ही मिली। वे कहते हैं कि गांधी की आत्मकथा पढ़ने वाले भलीभांति जानते है कि वे बचपन से ही अस्पृश्यता को नहीं मानते थे। अब 62 वर्षीय कृष्णा विद्यार्थी को ही लें। वे राजधानी के पंचकुइयां रोड पर स्थित वाल्मीकि मंदिर के काम-काज को देखते हैं। वाल्मीकि मंदिर और गांधी जी का गहरा संबंध रहा है ।वे इसी मंदिर परिसर के एक साधारण से कमरे में 1 अप्रैल 1946 से लेकर 10 जून 1947 तक रहे। कृष्ण विद्यार्थी बीते चालीस सालों से उस कमरे को रोज सुबह साफ-स्वच्छ करते हैं, जिसमें गांधी जी रहते थे। वाल्मीकि समाज से रिश्ता रखने वाले कृष्ण विद्यार्थी कहते हैं कि गांधी जी वाल्मीकि समाज की दशा को सुधारने के लिए जीवन पर्यंत सक्रिय रहे। गांधी जी ने वाल्मीकि परिवारों के बच्चों को यहां पढ़ाया भी। उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब गांधी जी 7 सितंबर, 1947 को अंतिम बार दिल्ली आए तो उन्हें वाल्मीकि बस्ती की बजाय बिड़ला हाउस में लेकर जाया गया। तब कहा गया कि वाल्मीकि बस्ती में उनके लिए असुरक्षित है। पर जो जगह कहने को सुरक्षित थी, वहां पर ही उन्हें मार डाला गया। कृष्ण विद्यार्थी के नेतृत्व में यहां पर हरेक 2 अक्तूबर और 30 जनवरी को सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित होती है। वे खुद गांधी जी के विचारों के प्रसार-प्रचार के लिए देश के कोने-कोने में जाते रहते हैं। बेशक, ये सब महान शख्सियतें गांधी जी के विचारों को देश-दुनिया में लेकर जा रही हैं। देश-दुनिया में इनके जैसे अनगिनत गांधी वादी सक्रिय हैं। इनमें हमें गांधी जी के दर्शन होते हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मेष राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है , उन्हें काम से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आज गुस्से की बजाए शांति से समस्या सुलझाएं, क्योंकि घर की व्यवस्था उचित बनाए रखने में आपसी सामंजस्य होना बहुत जरूरी है। आज सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियाँ बढ़ेगी। आज परिवार के लोगों का साथ मिलेगा, जिससे समस्या का समाधान भी मिल जाएगा। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे।

मिथुन राशिः आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच समंजास्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यवसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है। साथ ही कर्मचारियों और स्टाफ पर भी अनुशासन रखेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख मिलने के योग हैं।

कर्क राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा। दांपत्य संबंध सुखद और खुशहाली पूर्ण रहेंगे। आज कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी बेहतरीन कार्य प्रणाली के अनुकूल परिणाम सामने आएंगे। निश्चित ही सफलता मिलेगी। पार्टनरशिप संबंधी कोई प्रपोजल भी आ सकता है। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जाएगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से कुछ राहत मिलेगी और आप खुद को ऊर्जावान और सकारात्मक महसूस करेंगे। अपने व्यक्तित्व को व्यवस्थित रखने के लिए आत्म मनन भी करना जरूरी है। आपकीं आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे,वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। कोई व्यक्ति आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढेगी। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। सामाजिक कार्यों की अपेक्षा अपनी व्यक्तिगत कार्य पर अधिक ध्यान दें क्योंकि आज कोई भी लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय निकट भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होने वाला है।

धनु राशिः आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है।आज छात्रों को अपने करियर से संबंधित कोई खुशखबरी मिलने की संभावना है। आज रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। रिश्तो की गरिमा बनाकर रखने से परिवार में भी सुख शांति बनी रहेगी। बड़े-बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं।

मकर राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। आज उपहारों का आदान-प्रदान करना संबंधों में मधुरता लाएगा। मानसिक सुकून और शांति की चाह में एकांत स्थल पर कुछ समय अवश्य बिताएं। साथ ही लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। करियर में भी आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। घर की सुख-सुविधाओं संबंधी जरूरतें पूरी करने में आपका विशेष प्रयास रहेगा। आज आप भविष्य को लेकर सजग रहेंगे। आज ऑफिस में ज्यादा कार्यभार रहेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में सामान्य रूप से बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरुरत है।

शब्द सामर्थ्य -194

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे
1. बेफ़िक्र, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

1		2			3	4	5	
					6			
7			8					9
			10		11		12	
13	14				15	16		
					17			
18		19		20				
		21				22		23
24				25				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 193 का हल

मा	म	ला		सि	बा	य		कि
लि		चा	ह	त		म	म	ता
क	सू	र		म	ग	न		ब
	र				द			
क	मा	न		पा	र	स		न
मी		म	जा	ल		न	क	ली
ना	दा	न		ना	र	द		का
	मि				तौं			
सु	नी	ल		अ	धी	र		जी

सूडोकु नवताल- 7205

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7204 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आवाज के साथ खेलना पसंद है तो बनें डबिंग आर्टिस्ट

क्या आपको बोलने का शौक है? क्या आपको अपनी आवाज के साथ प्रयोग करना और उसके साथ खेलना पसंद है अगर आपकी वाकई रुचि आवाज की दुनिया में हो तो डबिंग आपके लिए एक शानदार करियर हो सकता है। डबिंग आर्टिस्ट के रूप में आप नाम, शोहरत और अच्छा पैसा कमा सकते हैं। यूं तो टेलीविजन की दुनिया में डबिंग एक बेहतरीन अवसर बनकर उभर रहा है लेकिन इसके अलावा क्षेत्रीय फिल्मों, विदेशी फिल्मों, रेडियो, विज्ञापन, कार्टून में भी काफी अवसर पैदा हो रहे हैं। आज हिंदी में डब किए जाने वाले टीवी शोज और उनके लिए डबिंग आर्टिस्ट्स की तादाद बढ़ती जा रही है। आज देश की लगभग हर भाषा में टीवी प्रोग्राम डब किए जा रहे हैं। कई हिंदी फिल्मकार भी अपनी फिल्मों को रीजनल भाषा में डब करके रिलीज कर रहे हैं। कई फिल्म और टेलिविजन प्रोडक्शन हाऊस के पास खुद के डबिंग डिपार्टमेंट और डबिंग आर्टिस्ट होते हैं। ये प्रोडक्शन हाऊस अपने प्रोग्राम्स को अलग अलग भाषाओं में डब करके देश के सभी हिस्सों में भेजते हैं। टीवी चैनलों पर प्रसारित होने वाली कई कार्टून और एनिमेशन फिल्में विदेश से आती हैं। हिंदी या अन्य भारतीय भाषा जानने वाले बच्चे इन्हें समझ सकें, इसलिए इन्हें भारतीय भाषाओं में डब किया जाता है। साइंस,हिस्ट्री और एडवेंचर प्रोग्राम दिखाने वाले कई टीवी चैनल्स भी अपने प्रोग्राम हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में डब कराते हैं, ताकि उन्हें ज्यादा से ज्यादा भारतीय दर्शक मिल सकें। टीवी पर दिखाया जाने वाला एक ही विज्ञापन कई भाषाओं में डब होता है।

कैसे बन सकते हैं डबिंग आर्टिस्ट

डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए कोई विशेष शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती है। अगर आपकी आवाज में खनक है और भाषाओं पर अच्छी पकड़ है तो आप इस क्षेत्र में एंट्री कर सकते हैं। हालांकि कई संस्थानों में डबिंग आर्टिस्ट का कोर्स होता है जहां तीन या छह महीने का डिप्लोमा करवाया जाता है। इस कोर्स के बाद आप रेडियो जॉकी के रूप में भी काम कर सकते हैं।

स्किल्स

डबिंग आर्टिस्ट की सबसे बड़ी पहचान है उसकी आवाज। इसलिए यह आवश्यक है कि आवाज में दम और आत्मविश्वास हो। इतना ही नहीं भाषा पर पकड़ अच्छी हो और उच्चारण सही व स्पष्ट हो। आवाज की कला में माहिर डबिंग आर्टिस्ट को करिदारों की समझ और उसके मुताबिक आवाज बदलने का हुनर होना चाहिए। डबिंग आर्टिस्ट की जरूरत फीचर फिल्म, एनिमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म, शॉर्ट फिल्म, कॉर्पोरेट फिल्म, विज्ञापन फिल्म और टीवी प्रोग्राम्स में होती है।

आईएएस में नहीं हुआ चयन, तो ये हैं बेहतरीन करियर विकल्प

यदि स्टैटिस्टिक्स के नजरिये से देखा जाए, तो सिविल सर्विसेज एग्जाम क्लियर करने और उसमें भी आईएएसके लिए ही चुने जाने की संभावना बहुत क्षीण होती है। इस परीक्षा में सफलता की संभाव्यता मात्र 02 प्रतिशत होती है। यही कारण है कि सिविल सर्विसेज एग्जाम को विश्व की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल इसमें बैठने वाले लगभग 3 लाख प्रतिभागियों में से मात्र 700 या 800 का ही अंतिम चयन हो पाता है और उनमें से भी कुछ को ही अपनी पसंद की सर्विस में नियुक्ति मिलती है।

यह तो आपने सुना ही होगा कि आईएएस की तैयारी करना महज एक परीक्षा की तैयारी भर नहीं है। यह एक जीवनशैली है। पूरी शिद्दत से इसकी तैयारी करने वालों के लिए यही जिंदगी बन जाती है। ऐसे में यदि आपके पास और प्रयास के अवसर नहीं रह गए या फिर आगे और प्रयास करने की आपकी इच्छा नहीं रह गई, तो आपको एक तरह से नए सिरे से ही जीवन शुरू करना पड़ता है। करियर के बारे में तो नए सिरे से विचार करना ही पड़ता है। ऐसे में कई हताश युवा खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जहां उनके पास कोई दूसरा विकल्प ही नहीं होता। यह सही है कि परीक्षा की तैयारी करते समय सकारात्मक बने रहना और सफल होने के विश्वास के साथ आगे बढ़ना जरूरी है मगर वैकल्पिक करियर प्लान बनाकर चलने में कोई नुकसान नहीं है। यदि आपने आईएएस के लिए जमकर पढ़ाई की है लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके हैं, तो ऐसे कई करियर विकल्प हैं, जहां आप अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। कई ऐसे करियर भी हैं, जहां आईएएस की तैयारी कर चुके उम्मीदवारों की सफलता की संभावना अन्य उम्मीदवारों से अधिक रहती है। चलिए, एक नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ वैकल्पिक करियर्स पर।

सरकार की अन्य भर्ती परीक्षाएं

अगर आपने आईएएस में जाने का निर्णय यह सोचकर लिया था कि आप देश के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो ऐसा करने के और भी रास्ते हैं। सिविल सर्विसेज एग्जाम के अलावा केंद्र सरकार भारतीय अफसरशाही में मिड-लेवल पदों पर नियुक्ति हेतु कई अन्य परीक्षाएं भी आयोजित करती है। इनमें इंडियन फॉरेस्ट सर्विस, इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज आदि शामिल हैं। आईएएस हेतु की गई व्यापक तैयारी इन परीक्षाओं को क्रैक करने में आपकी मदद करेगी। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा भी आईएएस के मुकाबले कमतर होती है व सफलता की संभावना अधिक।

कर्मचारी चयन आयोग

वैसे तो यह भी केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में से ही एक है मगर यह इस कदर लोकप्रिय है कि इसका अलग से उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। कर्मचारी चयन आयोग (स्टाफ सिलेक्शन कमिशन-एसएससी) एक सरकारी एजेंसी है, जो विभिन्ना सरकारी विभागों में भर्ती कराती है। एसएससी द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्ना मंत्रालयों/विभागों में ग्रुप-बी के पदों और ग्रुप-सी के सभी गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। एसएससी सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) एग्जाम के माध्यम से अनेक डेस्क तथा फील्ड जॉब्स में नियुक्ति की जाती है। इनमें मंत्रालय सहायक, ऑडिटर, कर सहायक, अकाउंटेंट, अपर डिविजन क्लर्क, टैक्स इंस्पेक्टर, असिस्टेंट एन्फोर्समेंट ऑफिसर, सीबीआई इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स इंस्पेक्टर आदि के पद शामिल हैं।

राज्यों की पीएससी परीक्षाएं

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ही तर्ज पर तमाम राज्यों के लोक सेवा आयोग (पीएससी) भी वहां की सरकारी भर्तियों के लिए परीक्षाएं आयोजित करते हैं। अक्सर युवा यूपीएससी के साथ-साथ ही पीएससी की परीक्षा भी देते हैं। यूपीएससी में चयन न हो, तो पीएससी एक अच्छा विकल्प होता है। यूपीएससी के मुकाबले इस परीक्षा में प्रतिस्पर्धा कम होती है और सफलता की संभावना अधिक। सबसे बड़ा फायदा यह है कि पीएससी परीक्षाओं का फॉर्मेट तथा सिलेबस लगभग वही होता है, जोकि यूपीएससी का होता है। इसलिए आपको अलग से कोई पढ़ाई नहीं करनी होती। पीएससी परीक्षा में चयनित होने पर आपको राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी में मध्य से लेकर वरिष्ठ पद तक नियुक्ति मिल सकती है।

बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प

आईएएस के लिए पढ़ाई कर चुके युवाओं के लिए बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। पब्लिक सेक्टर बैंक नियमित रूप से क्लेरिकल तथा प्रोबेशनरी ऑफिसर स्तर की रिक्तियां निकालते हैं। इनके लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही भर्ती होती है। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा तो काफी कड़ी होती है मगर ये मुख्य रूप से फाइनेंस, इकोनॉमी व अकाउंटेंसी पर केंद्रित होती हैं। साथ ही इनमें जनरल अवेयरनेस, लॉजिकल रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी तथा रीजनिंग को आंका जाता है। आईएएस की तैयारी के दौरान आप इस तरह के प्रश्नों को हल करने की खूब प्रेक्टिस कर चुके होंगे। यह आपको बैंकिंग की परीक्षाओं में काम आएगा।

टीचिंग लाइन

अगर आपने ग्रेजुएशन स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त किए हैं और टीचर बनने के लिए जरूरी क्वॉलिफिकेशन की कसौटी पर खरे उतरते हैं, तो आपके लिए इस क्षेत्र में जाने के रास्ते खुले हैं। आप स्कूल या कॉलेज में तो पढ़ा ही सकते हैं, एक और विकल्प है आईएएस कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में भावी परीक्षार्थियों को पढ़ाना। पढ़ाई और परीक्षा के अपने अनुभव के आधार पर आप दूसरों को बेहतर गाइडेंस दे सकते हैं। ऐसे संस्थानों में पढ़ाना आर्थिक रूप से भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। ये तो हुए महज कुछ विकल्प, जो आईएएस की तैयारी कर चुके युवा आजमा सकते हैं। इसके अलावा कई और विकल्प भी हैं, जिनमें एमबीए, प्राइवेट सेक्टर जॉब आदि शामिल हैं। जरूरत है तो बस, खुले दिमाग से विचार करने की और एक 'प्लान-बी'' तैयार रखने की। यदि आईएएस में आपका चयन हो गया, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यदि नहीं, तो प्लान-बी तो है ही!

जेमोलॉजी के साथ जगमगाएगा आपका करियर

कुछ दशक पहले तक रत्न व आभूषण का कारोबार छोटे-बड़े ज्वेलर्स तक सीमित होने के कारण असंगठित था, मगर अब कई बड़ी कंपनियों के आने के बाद से यह क्षेत्र तेजी से पेशेवर अंदाज में ढल रहा है। इसलिए जेमोलॉजी के विशेषज्ञों के लिए रत्न व आभूषण उद्योग में कई तरह के मौके हैं।

एक जेमोलॉजिस्ट का काम जहां एक ओर जेम्स स्टोन्स की पहचान, छंटाई और ग्रेडिंग का होता है, वहीं दूसरी ओर वे ज्वेलरी डिजाइनिंग की भी बारीक समझ रखते हैं। यही वजह है कि वे रिसर्च से लेकर डिजायनिंग तक से जुड़े सभी तरह के कामों में माहिर होते हैं। यदि आपकी रुचि जेमोलॉजी और इस तरह के कार्यो में है तो आपका करियर इस क्षेत्र में चमकदार हो सकता है।

क्या है जेमोलॉजी

जेमोलॉजी को रत्नों की पहचान व उसके मूल्यांकन की कला,पेशा और विज्ञान कहा जा सकता है। जेमोलॉजी के अंतर्गत प्राकृतिक रत्नों की पहचान करना व उनमें मौजूद खामियों की जांच करना सिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त रत्नों की कटिंग, छंटाई, ग्रेडिंग, वैल्यूएशन, डिजाइन मेथेडोलॉजी, मेटल कॉन्सेप्ट, कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग, मेटालर्जिकल प्रोसेस व ऑर्नामेंट डिजाइनिंग के बारे में बताया जाता है।

ये हैं कोर्सेस

जेमोलॉजी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। एक से दो साल के जेमोलॉजी डिप्लोमा और छह महीने से एक साल के सर्टिफिकेट कोर्सेज के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक भी हो सकती है।

इस कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है।

जरूरी स्किल्स

अगर आप जेमोलॉजी में करियर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले आपकी इस क्षेत्र में दिलचस्पी होना जरूरी है। इस क्षेत्र में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और धैर्य जैसे गुण होने आवश्यक है। साथ ही सौंदर्यबोध और रंग संयोजन की अच्छी समझ हो। आज के समय में कम्युनिकेशन स्किल्स हर क्षेत्र की जरूरत है और यह क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है।

रोजगार की संभावनाएं

जेमोलॉजी के क्षेत्र में ज्वेलरी डिजायनर, प्रोडक्ट डेवलॅपमेंट ऑफिसर, मर्केडाइजर, सेल्स ऐंड मार्केटिंग प्रोफेशनल, कॅन्सल्टेंट, कैड-डिजायनर,रिसर्चर आदि के रूप में काम कर सकते हैं। इनके अलावा डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में संभावनाएं हैं। ऑफिस में बन जाएं ऐसे हालात, तो ये टप्स अपनाएं

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट)
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ जेमोलॉजी, नई दिल्ली
- जेमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ जूलरी डिजाइन ऐंड मेन्युफैक्चर, सूरत
- जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशनकाउंसिल, जयपुर
- द जेमोलॉजिकल इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- ज्वेलरी डिजाइन एंड ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, नोएडा

टैक्निकल ट्रेनिंग के साथ नौसेना में बनाएं करियर

भारतीय नौसेना देश की तटीय सीमाओं की रक्षा का भार संभालती है। साथ ही, यह विभिन्न ट्रेड्स में युवा तकनीशियनों को अप्रेंटिसशिप के अवसर भी प्रदान करती है। नेवल डॉकयार्ड अप्रेंटिसेज स्कूल्स द्वारा कराई जाने वाली इस अप्रेंटिसशिप में कई ट्रेड शामिल हैं, जैसे इलेक्ट्रिशियन, मेसन, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, कारपेंटर, वेल्डर आदि।

किसके लिए उपयुक्त

भारतीय नौसेना में अप्रेंटिसशिप ऐसे तकनीशियनों के लिए उपयुक्त हैं, जो नौसेना के एक्सपर्ट्स से प्रशिक्षण पाना चाहते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि विभिन्न अखबारों, रोजगार समाचार और वेबसाइट्स पर विज्ञापन आने के बावजूद इंडियन नेवी अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के लिए बहुत अधिक आवेदन नहीं आते हैं। कई युवा तो महज इसलिए यहां आवेदन नहीं करते कि शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक मापदंड आदि को लेकर उनमें भ्रम की स्थिति रहती है। तो चलिए, ऐसे भ्रमों को दूर कर जानते हैं कि नौसेना में अप्रेंटिसशिप के लिए कौन पात्र है।

आयु सीमा - नेवल अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को एक निश्चित आयु सीमा की शर्त पर खरा उतरना होता है। इस प्रोग्राम के आधिकारिक नोटिफिकेशन में आयु सीमा संबंधी शर्तें स्पष्ट की जाती हैं। अलग-अलग श्रेणी के आवेदकों के लिए अलग-अलग आयु सीमा निर्धारित है, जोकि इस प्रकार है:

- सामान्य वर्ग: 14 से 21 वर्ष
- अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति: 14 से 26 वर्ष
- भूतपूर्व सैनिकों की संतान: ऊपरी आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट

शैक्षणिक योग्यता - भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए यह शैक्षणिक योग्यता जरूरी है:

मैट्रिकुलेशन: उम्मीदवार ने 10वीं की मैट्रिकुलेशन परीक्षा सभी विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो।

आईटीआई: उम्मीदवार ने संबंधित ट्रेड में कम से कम 65 प्रतिशत अंकों के साथ आईटीआई ट्रेनिंग पूरी कर ली हो।

शारीरिक मापदंड - आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता के अलावा नौसेना की अप्रेंटिसशिप के लिए शारीरिक मापदंड भी तय हैं। उम्मीदवार की ऊंचाई 137 सेंटीमीटर और वजन 254 किलो होना चाहिए। यहां बताए गए योग्यता मापदंड बीते वर्षों में आए भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप नोटिफिकेशंस पर आधारित हैं। भविष्य में भारतीय नौसेना अपनी जरूरतों के मुताबिक इनमें परिवर्तन भी कर सकती है। इसलिए हर वर्ष आने वाले नोटिफिकेशन को ध्यान से पढ़ लेना बेहतर होगा।

कहां मिलेगी जानकारी

कई युवाओं को इस अप्रेंटिसशिप के बारे में अधिक जानकारी नहीं होती। यदि आप इस अप्रेंटिसशिप में रुचि रखते हैं, तो जानिए कि इसके बारे में नौसेना द्वारा जारी किए जाने वाले आधिकारिक नोटिफिकेशन कहां-कहां प्रकाशित होते हैं। इन नोटिफिकेशंस में योग्यता शर्तों, टेस्ट पैटर्न, आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी आदि दी गई होती है।

समाचारपत्र: भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के नोटिफिकेशन देश के तमाम प्रमुख समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किए जाते हैं। हिंदी व अंगरेजी में प्रकाशित होने वाले इन नोटिफिकेशंस से आप इस प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार समाचार: सामान्य समाचारपत्रों के अलावा 'रोजगार समाचार' में भी नेवल अप्रेंटिसशिप का नोटिफिकेशन प्रकाशित किया जाता है।

मुझे नहीं लगता कि पंड्या टेस्ट टीम में वापसी करेंगे: पार्थिव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने कहा है कि मुझे नहीं लगता कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि उनका शरीर अब पांच दिवसीय मैचों को नहीं झेल सकता है। पार्थिव के अनुसार हार्दिक लाल गेंद से अभ्यास इसलिए करते दिखे हैं क्योंकि उस समय उनके पास सफेद गेंद उपलब्ध नहीं थी। साथ ही कहा कि अगर टेस्ट में चयन के लिए उनके नाम पर विचार होता भी है तो भी पहले उन्हें कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेलने को कहा जाना चाहिये। हार्दिक ने छह साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है पर पर माना जा रहा है कि वह अब अगले सत्र में रणनी

ट्रॉफी खेलकर टेस्ट में वापसी के लिए अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं। इस ऑलराउंडर ने हाल ही में अपने अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया था। तभी से माना जा रहा है कि वह भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे हैं। वीडियो में हार्दिक लाल गेंद से अभ्यास करते दिख रहे हैं जो टेस्ट में इस्तेमाल की जाती है। हार्दिक ने अंतिम बार भारत के लिए सितंबर 2018 में टेस्ट मैच खेला था। इसके बाद पीठ की चोट के कारण वह टीम से बाहर रहे। बाद में उन्होंने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया। हार्दिक ने अब तक 11 टेस्ट मैचों की 18 पारियों में 31.29 की औसत से 532 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 4 अर्द्धशतक है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 108 था। उन्होंने 31.05 की औसत से 17 विकेट लिए हैं जिसमें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े 5/28 थे। इसके अलावा 29 प्रथम श्रेणी मैचों में पंड्या ने 31.02 की औसत से एक शतक और 10 अर्द्धशतक के साथ 1,351 रन बनाए हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के लिए बांग्लादेश के साथ एकदिवसीय सीरीज खेलेगा अफगानिस्तान

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम नवंबर में बांग्लादेश के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अपनी मेजबानी में खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए 6 से 11 नवंबर तक होने वाली तीन मैचों की इस सीरीज का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। एसीबी के अनुसार ये मैच 6, 9 और 11 नवंबर को खेले जाएंगे। एसीबी ने कहा कि ये तीन एकदिवसीय, तीन टी20आई और दो टेस्ट मूल रूप से इस साल जुलाई-अगस्त के लिए अफगानिस्तान के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में शामिल थे। इससे पहले एसीबी ने यूएई और भारत में तेज गर्मी का हवाला देते हुए पहले होने वाली सीरीज को स्थगित कर दिया था। एसीबी ने कहा, दोनों बोर्ड केवल एकदिवसीय चरण खेलने को लेकर ही सहमत हुए हैं क्योंकि ये अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दोनों टीमों की तैयारियों के लिए अहम होगा। अफगानिस्तान ने हाल ही में शारजाह में दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से सीरीज में हराया

था। वह सभी प्रारूपों की सीरीज खेलने के लिए दिसंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच एकदिवसीय मैचों में 16 बार मुकाबला हुआ है। जिसमें बांग्लादेश ने 10 मैच जीते हैं वहीं अफगानिस्तान ने छह बार जीत दर्ज की है। बांग्लादेश के साथ अफगानिस्तान की अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज 2023 में हुई थी तब उसने चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में 2-1 से सीरीज जीती थी।

रोहित ने पकड़ा लिटन का असंभव सा कैच , खिलाड़ियों के साथ ही दर्शक भी हुए हैरान

कानपुर। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन मैच शुरु होने पर प्रशंसकों ने राहत की सांस ली क्योंकि पिछले दो दिनों से बारिश होने के कारण मैच नहीं हो पाया था। खेल शुरु होने पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक ऐसा असंभव सा कैच पकड़ा जिसे देखकर खिलाड़ी और दर्शकक सभी हैरान हो गये। रोहित ने बांग्लादेशी बल्लेबाज लिटन दास का कैच मोहम्मद सिराज की गेंद पर एक हाथ से ही लपक लिया। लिटन ने मो सिराज की गेंद पर एक तेज शॉट लगाया पर रोहित ने तेजी दिखाते हुए हवा में उछलकर एक हाथ से ही कैच पकड़ लिया। बांग्लादेश की पारी के 50वां ओवर में लिटन ने ये आक्रामक शॉट खेला था। वह इस

गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलकर चौका या छक्का लगाना चाहते थे पर रोहित ने खेल बिगाड़ दिया। जैसे ही शॉट लगा रोहित ने हवा में पीछे की तरफ उंची छलांग लगा दी। उन्होंने एक हाथ से ही गेंद पकड़ ली। इससे बल्लेबाज लिटन सहित स्टेडिमय में बैठे लोग भी समझ ही नहीं पाये कि असंभव सा कैच कैसे हो गया।

एशियन महिला हॉकी चैंपियन ट्रॉफी नवंबर में पटना में होगी

भारत सहित छह टीमें भाग लेंगी

पटना। बिहार में पहली बार एशियन महिला हॉकी चैंपियन ट्रॉफी का आयोजन इसी साल नवंबर में होगा। ये प्रतियोगिता पटना के राजकीय खेल अकादमी-सह-खेल परिसर में 11 से 20 नवंबर तक होगी। जिसके लिए तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इसी को लेकर हॉकी इंडिया टीम की उच्च स्तरीय टीम ने आयोजन स्थल का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाएं देखीं। इस दौरान उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी भी थे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही यातायात नियंत्रण और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी ली। इसके बाद प्रशासन ने संबंधित विभागों को आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए जिससे टूर्नामेंट का सफल आयोजन तय किया जा सके। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट न केवल राज्य में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा बल्कि बिहार को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर भी स्थापित करेगा। इस प्रतियोगिता में भारत सहित एशिया की छह प्रमुख टीमें चीन, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड भाग लेंगी।

जहीर ने की आकाशदीप की तारीफ ,शमी की तरह विकेट को निशाना बनाते हैं

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने युवा गेंदबाज आकाशदीप की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मोहम्मद शमी की तरह सीधी गेंदबाजी कर विकेट को निशाना बनाते हैं। जहीर के अनुसार शमी और आकाश दोनों का मूल रवैया अपनी गेंदबाजी के प्रति एक जैसा रहता है। इसलिए आकाशदीप को अगर आगे बढ़ना है तो उन्हें शमी की गेंदबाजी को देखना चाहिये। जहीर ने कहा कि शमी आकाश दीप के लिए एक अच्छा रोल मॉडल साबित हो सकता है क्योंकि शमी की तरह ही आकाश दीप भी तेजी का अच्छा इस्तेमाल करना जानते हैं। आकाश दीप ने अपने पदार्पण के बाद से ही अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है। इस तेज

गेंदबाज ने इस साल की शुरुआत में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ यादगार डेब्यू किया था, जहां उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट हासिल किए थे। जहीर ने आकाश दीप की लगातार अपनी रफ्तार और मूल बातों पर टिके रहने को कहा है। इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज का मानना है कि शमी का अनुसरण करने से उनका विकास तेजी से होगा। जहीर के अनुसार अन्य गेंदबाजों के साथ जुड़ने से आकाश को जल्द ही अपने कौशल में विविधता लाने में सहायता मिल सकती है।जहीर ने कहा कि जब आप स्टंप्स पर आक्रमण करते हैं और अच्छी लेंथ से गेंदबाजी करते हैं तो यह निश्चित रूप से आपके लिए फायदेमंद रहती है। इसी तरह से शमी सफल हुए अब यहीं आकाश भी कर सकते हैं।

व्यापार

शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 400, निफ्टी 100 से ज्यादा अंक गिरा

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सप्ताह के पहले दिन सोमवार को बड़ी गिरावट के साथ हुई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 290 अंक की गिरावट के साथ 85,280 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 50 92 अंक की गिरावट के साथ 26,086 पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, बाद में सेंसेक्स और गिर गया और यह 387.39 अंक की गिरावट के साथ 85,189.58 पर कारोबार कर रहा था। टाटा स्टील के शेयर में सबसे 1.50 प्रतिशत देखने को मिली। साथ ही जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, टाइटन के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में थे। सेंसेक्स की तीस कंपनियों में केवल 11 के शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे जबकि 19 कंपनियों के शेयर लाल निशान में थे। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में सोमवार को सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा

टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर गिरावट में चल रहे थे। वहीं शुक्रवार को भारतीय इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी-50 सप्ताह के आखिरी ट्रेडिंग सेशन में गिरावट बंद होने से पहले नए ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गए थे। बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले कारोबारी सेशन में 264 अंक गिरकर 85,571.85 पर बंद हुआ, जो दिन के दौरान 85,978.25 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। सत्र समाप्त होने से पहले निफ्टी-50 भी 26,277.35 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो हालांकि बाद में 37.13 अंक की गिरावट के साथ 26,178.95 पर बंद हुआ। वहीं एशिया के शेयर बाजार सोमवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। चीन ने अधिक प्रोत्साहन का एलान किया है। हालांकि जापान के नए प्रधान मंत्री द्वारा ब्याज दरों को सामान्य करने के पक्ष में चिंताओं के कारण निक्केई में गिरावट आई। लेबनान में लगातार इजरायली हमलों ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को बढ़ा दिया, हालांकि आपूर्ति में वृद्धि के जोखिम के कारण तेल की कीमतें अभी भी कम बनी हुई है।

इस त्योहार बीएमडब्ल्यू भी दे रही विशेष छूट के साथ बेहतर सुविधाएं

लक्जरी कार कंपनियों का आकर्षक ऑफर

मुंबई। इस साल त्योहारी सीजन में, बीएमडब्ल्यू कार निर्माता कंपनी के साथ ही अनेक लग्जरी कार निर्माता कंपनियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए अनेक आकर्षक ऑफर्स की घोषणा कर रहीं हैं। ये कंपनियां कम ब्याज दर के साथ ही साथ किफायती मासिक किस्तों और रोड टैक्स में छूट जैसे लाभ ग्राहकों को देने की बात कर रही हैं। अब देखना यह होगा कि कंपनियों के ये उपभोक्ता लुभाऊ वादे लग्जरी कारों की बिक्री पर क्या असर डालते हैं। इसी कड़ी में इस साल के त्यौहारी सीजन में जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने बीएमडब्ल्यू जॉय डेज प्रस्तुत किया है। इसके जरिए ग्राहकों को अनेक वित्तीय लाभ प्रदान करने की बात कही जा रही है। कंपनी ने विभिन्न मॉडलों की लग्जरी कारों पर विशेष ब्याज दर घोषित की हैं, जो कि सामान्य ब्याज दर से करीब 40 प्रतिशत कम है। इस आधार पर कहा जा रहा है कि कार खरीदने पर ग्राहक को ईएमआई 49,999 रुपये से शुरू होगी। वहीं ऑडी इंडिया ने त्योहारों के मौके पर ग्राहकों के लिए विशेष योजना पेश कर रही है। इसमें सर्विस प्लान, एक्सेसरीज पर भी छूट और अन्य लाभ शामिल हैं। कंपनी ने 100 डेज ऑफ सेलिब्रेशन नाम से विशेष योजना का आगाज किया है। इसके तहत

ग्राहकों को कम ब्याज पर वाहन ऋण और पुरानी कारों की बेहतर कीमत देने का वादा कर रही हैं। इसी तरह से मर्सिडीज बेंज इंडिया भी ड्रीम डेज कैम्पेन योजना के अंतर्गत ग्राहकों को किफायती ईएमआई, मुफ्त बीमा और कॉरपोरेट लाभ जैसे लाभ देने की बात करती है। इसके साथ ही, इलेक्ट्रिक कारों के ग्राहकों को रोड टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की है। इसके बावजूद देखने वाली बात यह होगी कि इन महंगी कारों के खरीददार कितनी रुचि दिखाते हैं, क्योंकि विश्लेषकों की राय तो पिछले सालों की अपेक्षा इस साल महंगी कारों की बिक्री में कमी आने का संकेत दे रही है।

सोने-चांदी की कीमतों में आई तेजी

सोना 75,200 रुपए, चांदी लगभग 91,600 रुपए

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा भाव में इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 75,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 516 रुपये की तेजी के साथ 75,374 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 329 रुपये की तेजी के साथ 75,187 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 121 रुपये की तेजी के साथ 91,519

रुपये पर खुला। इस समय यह 224 रुपये की तेजी के साथ 91,622 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में चांदी के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,680.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,668.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,673.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.94 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.81 डॉलर था। इस समय यह 0.01 डॉलर की गिरावट के साथ 31.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया छह पैसे टूटकर 83.75 डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 83.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और महीने के अंत में आयातकों की ओर से बढ़ी मांग के कारण प्रमुख विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.75 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.69 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़त के साथ 100.17 पर रहा।

टाटा टियागो ईवी ने भारतीय बाजारों में मचाई धूम

नई दिल्ली। हाल ही में टाटा टियागो ईवी ने इस क्षेत्र में धूम मचाई है। यह कार विशेष रूप से दैनिक यात्रा करने वालों के लिए एक किफायती विकल्प साबित हो रही है। टाटा टियागो ईवी की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 7.99 लाख से लेकर रुपए 11.49 लाख तक है, और यह दो वैरिएंट में उपलब्ध है। इसके बेस मॉडल में फुल चार्ज पर 250 किमी और टॉप वैरिएंट में 315 किमी की रेंज मिलती है। टॉप वैरिएंट में 24केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जो औसतन पब्लिक चार्जिंग कॉस्ट रुपए 18 प्रति किलोवाट-घंटा के हिसाब से लगभग रुपए 450 में फुल चार्ज होती है। प्रति किलोमीटर का संचालन खर्च केवल रुपए 1.43 है, जो इसे पेट्रोल या डीजल कारों की तुलना में बेहद किफायती बनाता है। अगर आप महीने में 1500 किमी यात्रा करते हैं, तो आपका मासिक खर्च लगभग रुपए 2,145 होगा।

इसी तुलना में, पेट्रोल टियागो की लागत लगभग रुपए 8,130 होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि टियागो ईवी केवल एक किफायती विकल्प नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी बेहतर है। इससे पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, कार चलाने का खर्च कम हो जाता है। यदि आप एक ऐसी कार की तलाश में हैं जो आपके बजट में हो और आपके दैनिक यात्रा को सुगम बनाए, तो टाटा टियागो ईवी एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। बता दें कि कार खरीदने के कई कारण होते हैं, लेकिन अधिकांश लोग एक ऐसी कार की तलाश में रहते हैं जो उच्च माइलेज और बेहतरीन फीचर्स के साथ हो।

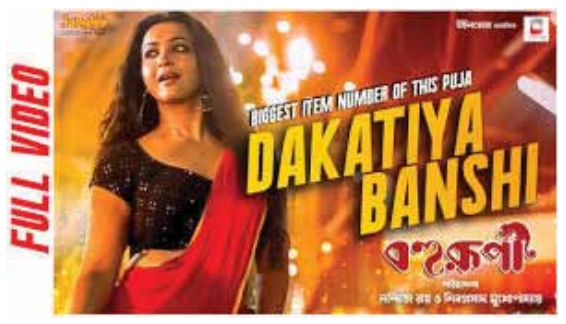

बंगाली फिल्म बोहरूपी का नया गाना हुआ रिलीज

दाकतिया बंशी पर झूमे लोग

टाइम्स म्यूजिक की डिविजन जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन मिलकर बंगाली फिल्मों की सनसनीखेज लाइनअप के साथ एक बार फिर दर्शकों को एंटरटेन करने की तैयारी कर रहे हैं. ये पावरहाउस कोलैबोरेशन साल 2013 से बंगाली सिनेमा में एक बेंचमार्क रहा है. वहीं अब जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन ने अपनी चार अपकमिंग फिल्मों में से दो के नाम भी जारी कर दिए हैं. इनमें से पहली फिल्म बोहरूपी है जो अक्टूबर 2024 को रिलीज होगी. वहीं दूसरी फिल्म अमर बॉस है. ये मूवी दिसंबर 2024 में रिलीज होगी. इन दो फिल्मों के अलावा दो और के भविष्य में रिलीज करने की तैयारी की जा रही है. बता दें कि जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन ने इससे पहले भी कई बंगाली फिल्मों के जरिए धमाल मचाया है. इनमें बेलाशे, बेलाशुरू, गोत्रो, कोन्यो और रोसोगोला जैसी फिल्में शामिल हैं. उनके हिट्स के ट्रैक रिकॉर्ड ने जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन को इनोवेटिव म्यूजिक स्टोरीटेलिंग में लीडिंग के रूप में स्थापित किया है. वहीं अपकमिंग फिल्मो को लेकर काफी बज बना हुआ है. खासतौर पर ट्रैक दाकतिया बंशी की काफी चर्चा हो रही है. इस गाने को बोनी चक्रवर्ती द्वारा कंपोज किया गया है और श्रेष्ठ दास, नानीचोरा दास बाउल और खुद बोनी चक्रवर्ती ने इसे गाया भी है. ये मोस्ट अवेटेड आइटम सॉन्ग, अपनी शानदार साउंड और रिदम की वजह से साल के बड़े हिट में से एक होने के लिए तैयार है.

वहीं जंगली म्यूजिक/टाइम्स म्यूजिक के सीईओ मंदार ठाकुर ने अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए कहा, विंडोज प्रोडक्शन के साथ हमारे एसोसिएशन का हमेशा शानदार रिजल्ट रहा है. साथ में, हमने ऐसा म्यूजिक बनाया है जो न केवल बंगाली दर्शकों के बीच गूंजता है बल्कि देश भर के श्रोताओं तक पहुंचता है. हमारे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में, हम इस विरासत को जारी रखने के लिए एक्साइटेड हैं. वहीं विंडोज प्रोडक्शन के को-फाउंडर शिबोप्रसाद मुखर्जी ने कहा, जंगली म्यूजिक के साथ हमारा जुड़ाव 2013 से शुरू होकर 10 सालों से ज्यादा की एक रिमार्केबल जर्नी रही है. साथ में, हमने बंगाली फिल्म इंडस्ट्री को कुछ सबसे आइकॉनिक हटि जैसे रंगबती और तापा तिनी दिए हैं. जंगली म्यूजिक ने हमेशा हमारी फिल्मों में अपने शानदार संगीत से अहम भूमिका निभाई है, और उनका सपोर्ट हमारे लिए अमूल्य रहा है. हम इस साल के अंत में बोहरूपी और अमर बॉस की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं आज बोहरूपी के एक और डांस एंथम के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं, हम इस ट्रैक के साथ हैट्रिक की उम्मीद कर रहे हैं. हमें विश्वास है कि यह गाना जंगली म्यूजिक के साथ हमारे ऐतिहासिक जुड़ाव की विरासत को जारी रखेगा और एक बार फिर दर्शकों के बीच तालमेल बिठाएगा. बता दें कि बोहुरुपी 8 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. वहीं इस फिल्म का पूरा एल्बम 6 अक्टूबर को सभी म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा.

मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद सेट पर लौटीं यामी गौतम

लंबे समय से पर्दे से दूर रहने और मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद अभिनेत्री यामी गौतम काम पर लौट आई हैं। हाल ही में उन्हें एक विशेष कार्यक्रम में देखा गया, जहां से अभिनेत्री ने अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर 1.97 करोड़ फॉलोअर्स वाली यामी ने अपने खूबसूरत लुक के साथ एक शानदार फोटो शेयर की। तस्वीरों में उन्हें लाल रंग के सूट में देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा लिया हुआ है। अपनी नेचुरल ब्यूटी को दिखाते हुए यामी ने मिनिमल मेकअप लुक चुना। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। एक दूसरी फोटो में उन्हें मेकअप करते हुए देखा जा सकता है। यामी ने अपने लुक को सिल्वर इयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया। पोस्ट को कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, काम पर वापस लौट रही हूं। इस शानदार इवेंट के लिए टीम का शुक्रिया। बता दें कि यामी ने फिल्म निर्माता आदित्य धर से जून 2021 में शादी की थी। इस साल 20 मई को उन्होंने अपने फैंस को बताया कि वह मां बनी हैं। उन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन बच्चे को जन्म दिया। काम की बात करें तो यामी ने 2008 में टीवी शो चांद के पार चलो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने राजकुमार आर्यन में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद, उन्होंने कलर्स पर प्रसारित होने वाले ये प्यार ना होगा कम में लहर की भूमिका निभाई। उन्होंने रियलिटी शो मीठी चूरी नंबर 1 और किचन चैंपियन सीजन 1 में भी भाग लिया था। उन्होंने 2009 की कन्नड़ फिल्म उल्लास उत्साह में मुख्य भूमिका के साथ अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत की। यामी ने 2012 में शूजित सरकार की रोमांटिक कॉमेडी विक्की डोनर में मुख्य भूमिका के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। यामी टोटल सियापा, एक्शन जैक्सन, बदलापुर, सनम रे, जुनूनियत, सरकार 3 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। उन्हें 2019 की फिल्म उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक में पल्लवी की भूमिका में देखा गया था, जिसे उनके पति आदित्य धर ने लिखा और निर्देशित किया था। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसमें परेश रावल, कीर्ति कुल्हारी और मोहित रैना ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। अभिनेत्री को पिछली बार अपने पति की प्रोडक्शन फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म में प्रियामणि, स्कंद ठाकुर, अश्विनी कौल, वैभव तत्ववादी, अरुण गोविल और किरण करमरकर भी थे। उनकी अगली फिल्म धूम धाम पाइपलाइन में है।

लोकेश कनगराज ने कुली का नया पोस्टर किया जारी, देवा बनकर रजनीकांत मचाएंगे धमाल

निर्देशक लोकेश कनगराज ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी आगामी निर्देशित फिल्म कुली का एक धांसू पोस्टर साझा किया है, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत बेहद ही स्टाइलिश और अनोखे अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म कुली के इस नए पोस्टर को देकर प्रशंसक बेहद खुश हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज ने एक्स पर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली का एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें कुली के किरदार में रजनीकांत को देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज की आगामी एक्शन फिल्म कुली के लिए सभी कलाकारों की घोषणा 28 अगस्त को हुई थी। निर्माताओं ने अब सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म में उनके नाम देवा के खुलासे के साथ किया। सोमवार को निर्देशक

लोकेश ने खुद थलाइवा का एक पोस्टर साझा किया, जिसमें उनके किरदार का नाम बताया देवा। इस पोस्टर में आप साफ देख सकते हैं कि रजनीकांत को एक सुनहरी प्लेट के पीछे की ओर देखते हुए देखा जा सकता है, जो एक आर्म बैज प्रतीत होता है, जिसके सामने 1421 नंबर लिखा हुआ है। उनके हाव-भाव से ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ ऐसा मिल गया है जिसकी उन्हें तलाश थी, जबकि उनके हाव-भाव बेहद ही आकर्षक दिखाई दे रहे हैं। कुली के बाकी सभी कैरेक्टर्स का भी पोस्ट पहले ही जारी किया जा चुका है। रजनीकांत का पोस्टर भी काले और सफेद रंग में है, जिसमें प्लेट के सुनहरे रंग को उजागर करने के लिए गोल्डन रंग का प्रयोग किया गया है। फिल्म के शीर्षक के ऊपर, सुपरस्टार के रूप में देवा लिखा हुआ है। पोस्टर को साझा करते हुए, निर्देशक लोकेश ने लिखा, सुपरस्टार रजनीकांत सर हैशटेग कुली में देवा के रूप में । इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद सर। यह एक धमाका होने वाला है। हाल ही में लोकेश कनगराज ने कन्नड़ सुपरस्टार उपेंद्र का कैरेक्टर पोस्टर भी जारी किया था, जो कुली में कलीशा की भूमिका निभाएंगे। कुली में रजनीकांत और उपेंद्र के साथ सत्यराज भी नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में श्रुति हासन, नागार्जुन और सौबिन भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2025 में रिलीज हो सकती है।

देवरा पार्ट 1 ने वर्ल्डवाइड 172 करोड़ से खोला खाता

बनी देश की चौथी बिगेस्ट ओपनर फिल्म, तोड़े कई रिकॉर्ड्स

जूनियर एनटीआर स्टारर एक्शन फिल्म देवरा पार्ट 1 के पहले दिन की वर्ल्डवाइड कमाई का ऑफिशियल आंकड़ा सामने आ गया है. देवरा पार्ट 1 के मेकर्स युवसुधा आर्ट्स ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की पहले दिन की कमाई शेयर कर दी है. देवरा पार्ट 1 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कमाई की है. साथ ही देवरा पार्ट 1 इस साल टॉलीवुड में सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है. देवरा पार्ट 1 ने कल्कि 2898 एडी को भी पछाड़ दिया है. देवरा पार्ट 1 के मेकर्स युवसुधा आर्ट्स ने आज 28 सितंबर को फिल्म की पहले दिन की वर्ल्डवाइड कमाई का आंकड़ा शेयर कर दिया है. देवरा पार्ट 1 ने पहले दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 172 करोड़ रुपये का ग्रास कलेक्शन कर लिया है. साल 2024 में रिलीज हुई फिल्मों में देवरा पार्ट 1 ने ओपनिंग कलेक्शन से थलापति विजय की हालिया रिलीज फिल्म गोट, स्त्री 2, महेश बाबू की गुंटूर कारम, कमल हासन की इंडियन 2 और ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर को पछाड़ दिया है. शिवा कोराताला ने फिल्म देवरा पार्ट 1 को डायरेक्ट किया है. 300 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म देवरा पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर रोमांस करती दिख रही हैं. फिल्म जूनियर एनटीआर का डबल रोल हैं. फिल्म में सैफ अली खान विलेन के रोल में दिख रहे हैं. फिल्म बीती 27 सितंबर को रिलीज हुई है. बता दें, आरआरआर (2022) के बाद जूनियर एनटीआर की कोई फिल्म रिलीज हुई है, जिसे लेकर फैंस के बीच तगड़ा क्रेज है.

प्रज्ञा जैसवाल ने साड़ी पहन दिखाई शोख अदाएं

कर्वी फिगर ने खींचा फैंस का ध्यान

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर फेमस हैं। वो काफी बेहतरीन फैशन आइकन हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुस्क पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का बोल्ड और हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उसपर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी लोग दिलखोलकर लाइक कर रहे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटेड साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनकी कातिलाना अदाएं फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका सेक्सी अंदाज इंटरनेट पर आते ही अक्सर तबाही मचाने लगता है।

गुरु रंधावा की पहली पंजाबी फिल्म शाहकोट का ट्रेलर जारी, 4 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

गुरु रंधावा संगीत की दुनिया में एक लोकप्रिय नाम हैं। गायक और म्यूजिक कंपोजर के रूप में उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है।गायिकी में अपनी छाप छोडने के बाद रंधावा ने फिल्म कुछ खट्टा हो जाए (2024) के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा।पिछले लंबे समय से रंधावा अपनी पहली पंजाबी फिल्म शाहकोट को लेकर चर्चा में हैं।अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। गुरु रंधावा, जिनकी आवाज़

हमेशा दिल को छूने वाली रही है, इस बार एक प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में उनकी एक्टिंग की झलक देखकर यह कहना मुश्किल नहीं कि यह फिल्म उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। दर्शकों को उनकी अभिनय क्षमता का नया पहलू देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी एक एक होनहार म्यूजिशियन के एयर टिकट घूमती है जिसका किरदार गुरु रंधावा द्वारा निभाया गया है और दिखाया गया है की किस तरह से उनकी इस म्यूजिकल जर्नी में विभिन्न प्रकार की समस्याएं आ रही हैं, उनके सपने को पूरा करने में कौन-कौन सी बाधाएं उनका इंतज़ार कर रही हैं। ईशा तलवार, जिनकी परफॉर्मेंस हमेशा प्रभावशाली रही है, इस फिल्म में एक ऐसा किरदार निभा रही हैं जो दर्शकों को गहराई से छूने वाला होगा। उनके अभिनय से फिल्म में एक भावनात्मक और मानवीय आयाम जुड़ता है, जो इसे और भी ख़ास बनाता है। ट्रेलर में फिल्म की शानदार सिनेमैटोग्राफी और दिल को छूने वाला संगीत दर्शकों को प्रभावित करता है। यह फिल्म एक सांस्कृतिक और भावनात्मक यात्रा का वादा करती है, और इसके रिलीज होने के साथ ही दर्शकों को एक अनोखा अनुभव मिलने वाला है। शाहकोट में रंधावा की जोड़ी ईशा तलवार के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।गुरशबाद, हरदीप गिल, सीमा कौशल, नेहा दयाल और मनप्रीत जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।